RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:129 ता. 14 नवम्बर 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

उत्तराखंड सरकार ने पतंजलि की 5 दवाओं पर लगा बैन हटाया

हरिद्वारः पतंजलि संस्थान ने विश्व में सर्वप्रथम आयुर्वेद की औषधियों को 30 वर्षों के निरन्तर पुरुषार्थ व अनुसंधान से रिसर्च एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन के रूप में स्वीकार्यता दिलाई। पतंजलि योगपीठ द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उत्तराखंड के आयुर्वेद लाइसेंसिंग अधिकारी अज्ञानी, असंवेदनशील, अयोग्य अधिकारी न केवल पूरी आयुर्वेद की ऋषि परम्परा को कलंकित कर रहे हैं अपितु एक अधिकारी के अविवेकपूर्ण कार्य एवं त्रुटि से आयुर्वेद की परम्परा एवं प्रामाणिक अनुसंधान पर ही प्रश्नचिन्ह खड़ा करने का, उसे कलंकित करने का घोर निन्दनीय कार्य किया गया और पतंजलि को दुर्भावनापूर्वक बदनाम किया। ऐसे षड्यंत्र योग-आयुर्वेद एवं भारतीय परम्परा के विरोधी लोग करते रहते हैं। इन षड्यंत्रों का मुंहतोड़ जवाब वैज्ञानिकतापूर्ण अनुसंधान तथ्य व प्रमाणों के साथ इनका मुकाबला करते हुए आयुर्वेद को विजयी बनाना हमारा धर्म है, जिस विभाग का कार्य आयुर्वेद को गौरव दिलाते हुए आयुर्वेद को राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रतिष्ठापित करना था, वही आयुर्वेद को बदनाम करके आयुर्वेद को मिटाने में लगा है। इस दुर्भाग्यपूर्ण कृत्य को हम कभी स्वीकार नहीं कर सकते। पतंजलि विश्व की पहली संस्था है, जिसके वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक रिसर्च पेपर्स प्रकाशित हुए हैं, दो एनएबीएच एक्रीडिएटेड हॉस्पिटल हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्तर के अनेक एनएबीएल एक्रीडिएटेड अनुसंधान लैब हैं। 500 से अधिक विश्वस्तरीय वैज्ञानिक यहां सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। योग-आयुर्वेद को विश्व में पहुंचाने के लिए जो कार्य किया गया, वह कार्य आजादी के इन 75 वर्षों में किसी सरकार या किसी अन्य संस्थान ने नहीं किया। एक अधिकारी द्वारा जिस तरह का कृत्य किया गया, उससे हम बहुत आहत हैं। आयुर्वेद व योग की स्थापना में किसी भी तरह से कोई भी षड्यंत्र करेगा या किसी भी मेडिकल माफिया या सनातन विरोधी षड्यंत्रकारियों में सम्मिलित होगा,

आखिर उतरने को तैयार हुए सोनिया और राहुल! 15 दिन में 25 रैलियां; गुजरात के रण में कांग्रेस का महाप्रचार

गुजरात विधानसभा की 182 सीटों पर अगले महीने दो चरणों (1 दिसंबर और 5 दिसंबर) में चुनाव होने हैं। कांग्रेस ढाई दशक से राज्य की सत्ता से बेदखल है। लिहाजा, सत्ता में वापसी के लिए लगातार हाथ-पैर मार रही है।

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव संपन्न होने के बाद कांग्रेस ने अपना पूरा जोर मिशन गुजरात पर फोकस कर दिया है। इसके तहत पार्टी आगामी 15 दिनों में कुल 25 मेगा रैली करेगी जो 125 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगा। कांग्रेस की ये रैलियां आक्रामक चुनावी रणनीति के तहत होंगी, जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता शिरकत करेंगे।

कांग्रेस नेता के मुताबिक कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी गुजरात चुनाव में प्रचार करने आएंगे। राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर महाराष्ट्र में हैं। वह हिमाचल प्रदेश चुनावों में प्रचार करने नहीं पहुंचे थे लेकिन गुजरात में उनके आने की चर्चा है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दोनों मुख्यमंत्री - अशोक गहलोत और भूपेश बघेल; कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों और ओबीसी-एससी-एसटी-अल्पसंख्यक वर्ग के बड़े नेता भी आगामी दिनों में गुजरात में रैलियां और चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बार भी कांग्रेस ने आक्रामक चुनाव प्रचार की रणनीति बनाई है।

बता दें कि 2017 के विधानसभा चुनावों में भी राहुल गांधी ने राज्य में आक्रामक चुनाव अभियान का नेतृत्व किया था। इस कारण कांग्रेस ने पिछले तीन दशकों में बीजेपी को डबल डिजिट (99 सीट) पर लाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

इस बार, कांग्रेस ने बूथ प्रबंधन पर अधिक भरोसा करते हुए गुजरात विधानसभा चुनावों में अपनी रणनीति बदली है। राहुल गांधी ने फरवरी 2022 में द्वारका में राज्य स्तरीय चिंतन शिविर में पार्टी के चुनाव अभियान की शुरुआत की थी; जिसके बाद, पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए एक ÷मौन अभियान÷ योजना लागू की। इसके अलावा, कांग्रेस ने इस बार बड़े पैमाने पर घर-घर अभियान पर ध्यान केंद्रित करने का विकल्प चुना है।

बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों (1 दिसंबर और 5 दिसंबर) में होंगे। चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी की एंट्री से गुजरात में इस बार चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

- **कांग्रेस नेता के मुताबिक कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी गुजरात चुनाव में प्रचार करने आएंगे। राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर महाराष्ट्र में हैं। वह हिमाचल प्रदेश चुनावों में प्रचार करने नहीं पहुंचे थे लेकिन गुजरात में उनके आने की चर्चा है।**

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर मिलेंगे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के टिकट

नई दिल्ली: दिल्ली के प्रगति मैदान में 14-27 नवंबर तक होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के लिए प्रवेश टिकट डीएमआरसी के 67 मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रगति मैदान में इस 14 दिवसीय व्यापार मेले में लगभग 2,500 घरेलू और विदेशी प्रदर्शक अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। इनमें ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित कई देशों के प्रदर्शक भी शामिल होंगे। व्यापार मेले का आयोजन करने वाली वाणिज्य मंत्रालय की इकाई इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) ने कहा कि इस साल बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र भागीदार राज्य हैं जबकि उत्तर प्रदेश और केरल फोकस राज्य हैं। विदेशी भागीदारी अफगानिस्तान, बांग्लादेश, बहरीन, बेलारूस, ईरान, नेपाल, थाईलैंड, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन सहित 12 देशों से है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने एक बयान में कहा कि वह 14 नवंबर से व्यावसायिक दिवस (14-18 नवंबर) के लिए और 19 नवंबर से आम सार्वजनिक दिवस (19-27 नवंबर) के लिए आईआईटीएफ प्रवेश टिकटों की बिक्री शुरू करेगी। आईआईटीएफ के प्रवेश टिकट केवल 67 चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों पर ही उपलब्ध होंगे। इनमें शहीद स्थल न्यू बस अड्डा, दिलशाद गार्डन, शाहदरा, सीलमपुर, इंद्रलोक, नेताजी सुभाष प्लेस, रोहिणी वेस्ट, रिठाला, नोएडा सिटी सेंटर, मंडी हाउस और बाराखंबा स्टेशन प्रमुख रूप से शामिल हैं। हालांकि प्रगति मैदान से सटे सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर आईआईटीएफ के टिकटों की बिक्री नहीं होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्यापार मेले के दौरान आने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त मेट्रो टोकन काउंटर, गार्ड, अधिकारी और कर्मचारी सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन और अन्य स्टेशनों पर भी जरूरत के हिसाब से तैनात किए जाएंगे। इस व्यापार मेले को पहली बार 1979 में आयोजित किया गया था।

प्रशांत किशोर का सियासी प्लान, चुनाव लड़ने से इनकार, 'जन सुराज' पर जनता लेगी फैसला

पटना। चुनाव रणनीतिकार और राजनीतिक नेता प्रशांत किशोर ने खुद के चुनाव लड़ने की संभावना से शनिवार को इनकार किया लेकिन अपने गृह राज्य बिहार के लिए एक 'बेहतर विकल्प' बनाने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराई। पश्चिम चंपारण जिले के मुख्यालय नगर बेतिया में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशोर ने उन्हें 'धंधेबाज' बताने वाले जनता दल यूनाइटिड (जदयू) के नेताओं पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें अपनी पार्टी के शीर्ष नेता एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि उन्होंने 'मुझे दो साल के लिए अपने निवास पर क्यों रखा था।'

जदयू नेताओं ने किशोर पर आरोप लगाया था कि वह धंधेबाज हैं और उनके पास राजनीतिक कौशल नहीं है। आईपैक के संस्थापक से बार-बार पूछा गया कि क्या वह खुद चुनावी मैदान में उतरने की योजना बना रहे हैं तो उन्होंने कहा, मैं चुनाव क्यों लड़ूंगा, मेरी ऐसी कोई आकांक्षा नहीं है।

किशोर रविवार को होने वाले पश्चिम चंपारण के जिला सम्मेलन से एक दिन पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस सम्मेलन में नागरिकों की राय ली जाएगी कि क्या जन सुराज अभियान को राजनीतिक दल में बदला जाए या नहीं। किशोर राज्य की 3500 किलोमीटर लंबी पद यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिलों में इसी तरह से जनता से राय ली जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

युद्ध के बीच भारत ने कर दिया खेला, रूस से सस्ते में तेल खरीद अमेरिका को बेच रहा महंगा

जदयू के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने दावा किया, अगर मैं नीतीश कुमार के राजनीतिक उद्यम में शामिल हो जाता हूं तो वह एक बार फिर से मुझ पर मेहरबान दिखेंगे। चूंकि मैंने अपने लिए एक अलग रास्ता चुना इसलिए वह और उनके समर्थक मुझसे नाखुश हैं। किशोर ने जदयू के नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्हें नीतीश कुमार से पूछना चाहिए अगर मेरी कोई राजनीतिक समझ नहीं थी तो मैं दो साल तक उनके आवास पर क्या कर रहा था।

एक प्रश्न के उत्तर में किशोर ने कहा कि उन्हें अतीत में कुमार के लिए काम करने का पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा कि कुमार 10 साल पहले जो थे और जो अब हैं, उनमें बहुत अंतर है। किशोर ने दावा किया, उन्होंने (कुमार ने) 2014 के लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए नैतिकता के आधार पर अपनी कुर्सी छोड़ दी थी। अब वह सत्ता में बने रहने के लिए किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार हैं।

एम्स के पूर्व निदेशक ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पूर्व निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने लगभग तीस साल की सेवा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। डॉ गुलेरिया उन प्रमुख लोगों में शामिल थे, जिन्होंने कोविड महामारी के दौरान केंद्र सरकार के जागरुकता पैदा करने में भी प्रमुख भूमिका निभाई।

डॉ. गुलेरिया ने 28 मार्च, 2017 को पांच साल के लिए एम्स के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह विभाग का नेतृत्व कर रहे थे। उनका कार्यकाल 24 मार्च को समाप्त होना था, लेकिन इसे तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। इसके पूरा होने पर उन्हें तीन और माह के लिए सेवा विस्तार प्रदान किया गया था। संस्थान (एम्स) के निदेशक के रूप में उनका साढ़े पांच साल का कार्यकाल 23 सितंबर को समाप्त होने के बाद उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के लिए आवेदन किया था। उनके आवेदन को मंजूर कर लिया गया है। गुलेरिया की अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त होने वाले थे। गुलेरिया ने एम्स में 1992 में चिकित्सा विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना कार्य शुरू किया था।

डॉ. गुलेरिया ने 28 मार्च, 2017 को पांच साल के लिए एम्स के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह विभाग का नेतृत्व कर रहे थे। उनका कार्यकाल 24 मार्च को समाप्त होना था, लेकिन इसे तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था।

कोरोना में मां-बाप से बिछड़े 3 मासूमों को बनाया मुसलमान

भोपाल। मध्य प्रदेश के रायसेन से तीन हिंदू बच्चों को मुस्लिम पहचान दिए जाने का मामला सामने आया है। खबर है कि ये बच्चे कोरोनावायरस महामारी के दौरान माता-पिता से बिछड़ गए थे। मामले को लेकर राष्ट्रीय बाल आयोग भी सक्रिय हो गया है। इधर, अधिकारियों ने शिशु गृह का रिकॉर्ड जब्त कर लिया है। साथ ही पुलिस भी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर सकती है। विस्तार से समझते हैं। मामला मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के नजदीकी जिला रायसेन का है। यहां गौहरगंज स्थित सरकारी अनुदान प्राप्त एक शिशु गृह में तीन बच्चे रह रहे थे। इनमें एक लड़का और दो लड़कियां हैं। इन बच्चों की उम्र 4 से 8 वर्ष के बीच है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शिशु गृह के संचालक हसीन परवेज ने बच्चों के नाम बदलकर मुस्लिम कर दिए और उनके नए आधार कार्ड भी बनवा दिए। इतना ही नहीं आधार कार्ड में बच्चों के माता-पिता की जगह परवेज का ही नाम दर्ज है।

खबर है कि साल 2020 में ये बच्चे भोपाल में ही भटकते पाए गए थे। उस दौरान भोपाल कल्याण समिति ने उन्हें रायसेन बाल कल्याण समिति को सौंपा। बाद में माता-पिता की खोज होने तक उन्हें गौहरगंज के गोदी शिशु गृह में रखा गया था। इसका संचालन नवजीवन सामाजिक संस्था के जिम्मे है।

कैसे हुआ खुलासा?

NCPCR अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो मौखिक शिकायत के आधार पर शिशु गृह का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने पाया कि बच्चों की पहचान में बदलाव किया गया है। बच्चों ने भी उन्हें बताया कि पहले उनके नाम अलग थे, लेकिन यहां उनकी पहचान में बदलाव किया गया है। कानूनगो ने मामले की जांच की बात कही है। उन्होंने बताया कि रिकॉर्ड जब्त कर जांच के आदेश दिए गए हैं।

बच्चों की दर्दनाक कहानी

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 में कोरोनावायरस महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में ये बच्चे माता-पिता से बिछड़ गए थे। फिलहाल, बच्चे के पिता की जानकारी लग सकी है। वह दमोह में रहता है। वहीं, मां के बारे में पता लगाया जा रहा है। शिशु गृह के संचालक बताते हैं कि बच्चे को छोड़ने आए शख्स ने उनके मुस्लिम होने की जानकारी दी थी। जबकि, रिकॉर्ड में बच्चों के नाम अलग हैं।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के बीच कोहरे ने दी दस्तक

नई दिल्ली। मौसम का मिजाज एक बार फिर तेजी से बदल रहा है। उत्तर भारत में ठंड की आहट हो गई तो वहीं दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज यानी 13 नवंबर 2022 को तमिलनाडु दक्षिणी आंध्र प्रदेश और केरल में मूसलाधार बारिश होगी। आईएमडी ने इन राज्यों में आरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में प्रदूषण के बीच कोहरे ने दस्तक दे दी है। साथ ही तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। 13 नवंबर को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, सुबह के वक्त हल्का कोहरा देखने को मिलेगा। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो हल्की बारिश के साथ कुछ इलाकों में बर्फबारी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग की मानें तो दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर श्रीलंका के आसपास के क्षेत्रों में एक निम्न दबाव क्षेत्र आगे बढ़ रहा है। इसकी वजह से 13 नवंबर 2022 को दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

स्काईमेट वेदर के मुताबिक तमिलनाडु के ऊपर एक गहरा निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है यह केरल की तरह आगे बढ़ेगा तथा तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश देगा। कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश रहेगी। लक्ष्यदीप में भी बारिश पड़ने के आसार हैं। उत्तर पश्चिम मध्य तथा पूर्वी भारत में बर्फीली हवाएं तापमान को कम करेंगे तथा सर्दी की शुरुआत हो जाएगी। पंजाब से लेकर मध्य प्रदेश राजस्थान और गुजरात तक तापमान गिरेंगे।

इन राज्यों में आज होगी बारिश

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, आज रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, केरल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। अंडमान और निकोबार के दक्षिणी द्वीपों में भी एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। तटीय कर्नाटक में हल्की बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर मध्यम बारिश संभव है। दक्षिण तेलंगाना में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है। भारी बारिश के कारण तमिलनाडु के पांच जिलों में बाढ़ की चेतावनी के बाद वैगई बांध से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते पहाड़ पर बर्फबारी-मौसम विभाग के मुताबिक, एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखाई देने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में 13 नवंबर और 14 नवंबर को बर्फबारी और बारिश होने की संभावना है। इससे इन राज्यों में तापमान में कम होगा, जिससे ठंडक बढ़ सकती है। वहीं, 16 नवंबर, 2022 के आसपास दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे अंडमान सागर के ऊपर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। अगले 3 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा और बाद के 2 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक, आज, 13 नवंबर को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, सुबह के वक्त हल्का कोहरा और आसमान में धुंध देखने को मिल रही है। इसके साथ ही अगले कुछ दिनों तक दिल्ली के तापमान में गिरावट के आसार है। वहीं, अगर वायु प्रदूषण की बात करें तो,त्क्ष्ठ बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। दिल्ली में 12 नवंबर की शाम को औसत,त्क्ष्ठ 310 दर्ज किया गया जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है और कल भी इसके 300 पार रहने के आसार बने हुए हैं।

आचार्य कृष्णम ने कहा कि राजस्थान बहुत जल्द एक सुप्रभात देखेगा

जयपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के करीबी माने जाने वाले कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पार्टी आलाकमान द्वारा राजस्थान के संदर्भ में जल्द फैसला किए जाने का संकेत देते हुए शनिवार को कहा कि राजस्थान को बहुत जल्द एक अच्छा सवेरा देखने को मिलेगा। कृष्णम का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि कुछ दिन पहले ही पायलट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बड़ाई किए जाने पर कटाक्ष करते हुये इसे रोचक घटनाक्रम बताया और पार्टी आलाकमान से राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर अनिर्णय की स्थिति को समाप्त करने का आग्रह किया था। कृष्णम ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं इतना कह सकता हूं कि कांग्रेस नेतृत्व का जो फैसला होगा उसे पार्टी का हर विधायक मानेगा और राजस्थान को बहुत जल्द एक अच्छा सवेरा देखने को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास पर कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई गई थी। इसे कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव से पहले राज्य में मुख्यमंत्री को बदलने की कवायद के रूप में देखा गया, क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। हालांकि, सीएलपी की बैठक नहीं हो सकी क्योंकि गहलोत के वफादार विधायकों ने संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर समानांतर बैठक की और सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के किसी भी संभावित कदम के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस बारे में कृष्णम ने कहा, कांग्रेस पार्टी के जो पर्यवेक्षक यहां आए थे उनमें मल्लिकार्जुन खरगे खुद शामिल थे, अजय माकन भी शामिल थे। जब वे यहां आए तो यहां जो कुछ हुआ उसमें दूसरे को कुछ कहने की जरूरत नहीं है। सब कुछ पार्टी नेतृत्व के संज्ञान में है। इससे पहले भी कृष्णम सचिन पायलट के समर्थन में बयान दे चुके हैं। कृष्णम ने यहां विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी से मुलाकात की।

टीपू की 100 फुट ऊंची प्रतिमा लगाने की कांग्रेस विधायक की घोषणा का सिद्धारमैया ने किया समर्थन

बेंगलुरु। कांग्रेस के विधायक तनवीर सैत के कर्नाटक में टीपू सुल्तान की 100 फीट ऊंची मूर्ति लगाने का वादा करने के एक दिन बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने इस प्रोजेक्ट पर अपनी सहमति जताई है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर इतिहास के तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का भी आरोप लगाया है। कांग्रेस विधायक के वादे के बारे में पूछे जाने पर सिद्धारमैया ने कहा कि टीपू सुल्तान की मूर्ति क्यों नहीं बनाई जा सकती, उन्हें बनाने दो, क्या वह इसके लायक नहीं हैं? उन्होंने कहा कि भाजपा ने इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। उन्होंने नारायण गुरु, अंबेडकर और अन्य के बारे में क्या कहा? वे झूठी बातें कहते हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में कर्नाटक में कांग्रेस के विधायक तनवीर सैत ने मैसूर के श्रीरंगपटन में टीपू सुल्तान की 100 फीट ऊंची मूर्ति का वादा किया था। नरसिम्हाराजा सीट से विधायक चुने गए सैत ने कहा कि यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों के लिए टीपू सुल्तान के सच्चे इतिहास के प्रतीक के रूप में खड़ी रहेगी। विधायक ने दावा किया कि उस योद्धा के इतिहास को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने 'विकृत' किया है। सैत ने मैसूर में टीपू कन्नड़ राज्योत्सव में हिस्सा लेते हुए कहा कि 'मैसूर या श्रीरंगपट्टन में टीपू सुल्तान की 100 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी, जो उनके असली इतिहास के प्रतीक के रूप में खड़ी होगी। भाजपा सरकार टीपू सुल्तान के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है और उसकी विरासत को खत्म करने पर तुली हुई है। इसलिए इस प्रतिमा को बनाने की तत्काल जरूरत थी। उन्होंने कहा कि 'इस्लाम में मूर्तियों के निर्माण पर प्रतिबंध होने के बावजूद मैं आने वाली पीढ़ियों को सच बताने के लिए टीपू की एक मूर्ति लगाऊंगा। गौरतलब है कि मैसूर के टाइगर के रूप में मशहूर टीपू सुल्तान के नाम पर कर्नाटक में विवाद होता रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा के रूट पर भाजपा की जनजातीय यात्रा होगी शुरू

भोपाल (ईएमएस)। भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश में प्रवेश करने के पूर्व, भाजपा ने जनजातीय गौरव यात्रा निकालने का निर्णय कर लिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का जो रूट है। उसी रूट पर भाजपा की जनजातीय गौरव यात्रा निकाली जाएगी। 15 नवंबर से यह यात्रा शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के गौरव हैं। आदिवासियों के अधिकारों और संघर्ष को जीवन में बदलाव लाने के स्वयं प्रयास करने की प्रेरणा आदिवासी समाज को उन्होंने दी है। 15 नवंबर से मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट शुरू होने की बात कही जा रही है। भाजपा ने जनजातीय यात्रा को 15 नवंबर से उसी रूट पर शुरू करने की योजना बनाई है। जिसमें भारत जोड़ो यात्रा निकलेगी। इसके लिए बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के मुखिया, परंपरागत सामाजिक नेताओं और आदिवासियों को एकजुट करके यह यात्रा निकालकर भाजपा शक्ति प्रदर्शन करेगी। इसके लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। आदिवासी समाज को भारत जोड़ो यात्रा से दूर रखने के लिए भी यह प्रयास माना जा रहा है।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या टकराव

भाजपा की जनजातीय गौरव यात्रा का रूट, राहुल गांधी की मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा का रूट घोषित होने के बाद तैयार किया गया है। जिसके कारण इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है, कि भारत जोड़ो यात्रा में आदिवासी वर्ग भारत जोड़ो यात्रा में शामिल ना हो। मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा को आदिवासियों का समर्थन नही मिले। इसको लेकर भाजपा अपनी पूरी ताकत झोंकने जा रही है। कांग्रेस के नेता भारत जोड़ो यात्रा में एक लाख लोगों के जुटने की बात कह रहे हैं। शक्ति प्रदर्शन का यह मौका ना तो भारतीय जनता पार्टी छोड़ने के लिए तैयार है। नाही कांग्रेस पार्टी, शक्ति प्रदर्शन का कोई मौका छोड़ना चाहती है। भारत जोड़ो यात्रा और जनजातिय गौरव यात्रा का रूट एक सा होने से टकराव की संभावनाएं भी बनने लगी हैं। कांग्रेस के नेताओं ने यह आशंका पहले ही व्यक्त कर दी थी।

इस साल पाकिस्तान से ड्रोन भेजे जाने की घटनाएं बढ़ीं : बीएसएफ

नई दिल्ली। पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान से लगी सीमा के पार से ड्रोन भेजे जाने के मामलों में जोरदार बढ़ोतरी देखी गई है और साल 2022 में ड्रोन के जरिए मादक पदार्थ, हथियार और गोला-बारूद भेजे जाने के मामलों में दोगुना इजाफा हुआ है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक पंकज कुमार सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बल ने दिल्ली में एक शिविर में ड्रोन का अध्ययन करने के लिए हाल ही में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की है और इसके परिणाम बहुत उत्साहजनक रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार से ड्रोन उड़ाने के रास्तों और इस अवैध गतिविधि में शामिल लोगों के ठिकानों पर भी नजर रख सकती हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ काफी समय से ड्रोन खतरे का सामना कर रहा है। नापाक मंसूबों वाले लोग नए-नए तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। अलग-अलग तरह के ड्रोन के इस्तेमाल से हमारे लिए समस्याएं पैदा हो रही हैं, क्योंकि इनके बारे में कम जानकारी उपलब्ध है और ये तेजी से उड़ान भरते हुए सीमा को पार कर जाते हैं। डीजी ने यह बात केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को जानकारी देते हुए कही, जो एक वेबिनार सत्र के माध्यम से फोरेंसिक लैब का उदघाटन करने के लिए एक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

पंजाब में गन कल्चर पर सख्त भगवंत मान सरकार, हथियारों को लेकर नई गाइडलाइन्स जारी

पंजाब में भगवंत मान के सरकार गन कल्चर को लेकर सख्त नजर आ रही है। इसलिए हथियारों के लाइसेंस को लेकर आज नया गाइडलाइंस को जारी कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने निर्देश दिए हैं कि अब तक जारी सभी हथियारों के लाइसेंस की समीक्षा 3 महीने के भीतर की जाएगी। साथ ही साथ हथियारों के सोशल मीडिया या सार्वजनिक प्रदर्शन पर भी रोक लगाने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि जब तक डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर व्यक्तिगत रूप से संतुष्ट नहीं हो जाते तब तक कोई नया लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। इसके अलावा आने वाले दिनों में इसकी रेंडम चेकिंग भी की जाएगी।

देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति हर मोर्चे पर नाकाम रहे पं नेहरू : भाजपा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा ने आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति सहित अन्य कई मोर्चे पर नाकाम बताते हुए आरोप लगाया कि बतौर प्रधानमंत्री उनकी गलत नीतियों का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा। दरअसल, आजादी के बाद 1951 से लेकर 1977 तक भारतीय जनसंघ और फिर 1980 के बाद से लेकर अब तक भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार जवाहरलाल नेहरू की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीन दयाल उपाध्याय से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक जम्मू कश्मीर सहित अन्य कई मोर्चे पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। उनकी भूमिका को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी आलोचक की मुद्रा में ही रहा है और उन्हें देश की कई समस्याओं के लिए जिम्मेदार भी मानता रहा है।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने कहा बतौर प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू देश की आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा, विदेश नीति और देश की आर्थिक नीति से लेकर सामाजिक एवं धार्मिक नीति तक हर मोर्चे पर विफल प्रधानमंत्री साबित हुए और उनकी गलत नीतियों का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा जम्मू कश्मीर के मोर्चे पर नेहरू ने एक के बाद एक कई गलतियां की। पहले उन्होंने जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह के विलय के प्रस्ताव को सीधे स्वीकार करने की बजाय उसमें शेख अब्दुल्ला की भूमिका को शामिल कर दिया, उसके बाद हमारे देश की भूमि पर ही कब्जा होने के बावजूद उन्होंने स्वयं संयुक्त राष्ट्र में जाकर यहां जनमत संग्रह करवाने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने भारतीय संविधान में अनुच्छेद-370 और 35 ए को शामिल कर कश्मीर की समस्या को नासूर बना दिया।

भाजपा प्रवक्ता ने विदेश नीति के मोर्चे पर भी नेहरू को असफल बताते हुए कहा कि उन्होंने चीन पर ज्यादा भरोसा किया और तिब्बत को भी चीन का अंग स्वीकार कर लिया। संयुक्त राष्ट्र का स्थाई सदस्य बनने का मौका भी भारतीय झोली से छीनकर चीन को दे दिया और इसी चीन ने उनके प्रधानमंत्री रहते ही 1962 में भारत पर हमला कर यह बता दिया कि चीन को लेकर उनकी नीति कितनी गलत थी। यहां तक कि चीन से लड़ाई के दौरान भी भारतीय वायुसेना का इस्तेमाल न कर उन्होंने भारत की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, जबकि उस समय हमारी वायुसेना काफी मजबूत थी जो चीन को सबक सिखा सकती थी।

शुक्ल ने कहा कि देश के आजाद होने के बाद उन्होंने अर्थव्यवस्था का सोवियत मॉडल अपनाया जिसकी वजह से भारत अपने पड़ोसी देशों यहां तक कि पाकिस्तान से भी पिछड़ गया और यह हालत 1991 तक बनी रही जब तक उदारीकरण और आर्थिक सुधार का रास्ता नहीं अपनाया गया। उन्होंने दावा किया कि 1991 तक आर्थिक विकास के तमाम मानदंडों में भारत पाकिस्तान की तुलना में पीछे था और कमजोर था। जवाहर लाल नेहरू पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन होने के बाद भारत में उन्होंने हमेशा बहुसंख्यक हिंदू समाज को दबाने और उत्पीड़ित रखने का प्रयास किया।

भाजपा पर बरसे संजय राउत, कहा- मैला हो गया है महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल

नई दिल्ली(एजेंसी)। जेल से बाहर आने के बाद शिवसेना के सांसद संजय राउत भाजपा और एकनाथ शिंदे पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हैं। एक बार फिर से उन्होंने दावा किया है कि महाराष्ट्र की राजनीति पूरी तरीके से दूषित हो गई है। अपने बयान में संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र राजनीतिक माहौल मैला हो गया है, जहां कई लोग एक दूसरे को हमेशा के लिए समाप्त करने पर निकले हैं। दरअसल, जेल से बाहर आने के बाद संजय राउत ने पार्टी के मुखपत्र सामना में अपने स्तंभ 'रोखठोक' को फिर से लिखना शुरू किया है। अपने इसी लेख में 'रोखठोक' ने कहा कि नफरत की भावना के साथ नेता अब एक ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां वे नहीं चाहते कि उनके विरोधी जीवित भी रहें। महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल मैला हो गया है, जहां लोग एक-दूसरे को हमेशा के लिये समाप्त करने निकले हैं।

संजय राउत ने साफ तौर पर कहा कि महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल पूरी तरीके से प्रदूषित हो गया है और यहां लोग एक दूसरे को खत्म करने पर उतारू है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझसे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की उस टिप्पणी के बारे में भी पूछा गया जिसमें उन्होंने कहा था कि राजनीति में कड़वाहट खत्म होनी चाहिए। तब मैंने जवाब दिया था कि वह सच बोल रहे हैं। इस पर मीडिया कहने लगा कि मैं नरम रुख अपना चुका हूं। उन्होंने दावा किया कि लोकतंत्र और स्वतंत्रता का अब अस्तित्व नहीं है, इनका सिर्फ नाम रह गया है। राजनीति विषैली हो गई है। ब्रिटिश शासन के दौरान भी ऐसा नहीं था।

संजय राउत ने आरोप लगाया कि दिल्ली के मौजूदा शासक अपने मन मुताबिक बात सुनना चाहते हैं। ऐसा न करने वालों को दुश्मन माना जाता है। उन्होंने कहा कि चीन, पाकिस्तान दिल्ली के दुश्मन नहीं हैं, लेकिन जो सच बोलते हैं, उन्हें दुश्मन माना जाता है और ऐसे राजनेता देश का कद घटाते हैं। आपको बता दें कि गत जून में शिवसेना के 40 विधायकों के बगावत करने के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी और इसके बाद बागी एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने थे। राउत ने इस पर कहा कि उनमें (बागियों) से कुछ जरूर वापस आएंगे। मुझे विश्वास है कि कुछ वापस आएंगे।

कमलनाथ ने कहा कि बीजेपी भारत जोड़ो यात्रा से डर गई है

नई दिल्ली(एजेंसी)। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शनिवार को आरोप लगाया कि सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली ''भारत जोड़ो यात्रा'' को मिल रहे लोगों के भारी समर्थन से बौखला गई है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 20 नवंबर को पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के बोंदरली गांव से प्रवेश करने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शनिवार को यात्रा के छह जिलों में से तीन बुरहानपुर, खंडवा और खरगोन जिलों में तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें की। मध्यप्रदेश में यात्रा के 13 दिवसीय कार्यक्रम के अनुसार राहुल गांधी के नेतृत्व में पैदल यात्रा तीन दिसंबर को राजस्थान के कोटा जिले की ओर जाने से पहले बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, इंदौर, उज्जैन और आगर मालवा जिलों से होकर गुजरेगी। कांग्रेस नेता आरोप लगाया, ''यात्रा (जो कि अपने तय अखिल भारतीय कार्यक्रम का लगभग आधा रास्ता तय कर चुकी है) के लिए लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने से सत्तारुढ़ भाजपा के पेट में दर्द पैदा कर रही है और वे यात्रा के खिलाफ अनाप शनाप बयान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि 20 नवंबर को शाम साढ़े सात बजे बुरहानपुर जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर बोंदरली गांव में प्रवेश करने पर प्रदेश कांग्रेस यात्रा का भव्य स्वागत करेगी। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि राहुल गांधी रात में बोंदरली में रुकेंगे। नाथ ने कहा कि यात्रा समय की जरुरत है। उन्होंने कहा, ''राहुल जी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,750 किलोमीटर की यात्रा शुरु की है जिसका उद्देश्य देश में लोगों को ऐसे समय में जोड़ा जा सके जब हमारी संस्कृति और संविधान पर हमला हो रहा है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश भारी महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहा है।

जेल से रिहा होने के बाद अब शेष जीवन अपने परिवार के साथ बिताना चाहती हूं : नलिनी श्रीहरन

वेल्लोर। राजीव गांधी हत्याकांड के 6 दोषियों में से एक नलिनी श्रीहरन ने 32 साल की सजा के दौरान उसकी सहायता करने के लिए तमिलनाडु और केंद्र सरकारों का आभार व्यक्त किया है। रिहा होने के बाद उसने कहा कि वह अब अपना शेष जीवन अपने परिवार के साथ बिताना चाहती है। नलिनी श्रीहरन को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के बाद शनिवार को वेल्लोर जेल से रिहा कर दिया गया, जिसमें शीर्ष अदालत ने आरपी रविचंद्रन सहित सभी 6 दोषियों को मुक्त करने के लिए कहा था।

जेल से बाहर आने पर, उसने तमिलनाडु के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने 32 वर्षों तक मेरा समर्थन किया। नलिनी ने अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। उसने कहा मैं अपने परिवार के साथ रहना चाहती हूं। मेरे परिवार के सभी सदस्य इतने लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। मैं राज्य और केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने इस दौरान हमारी बहुत मदद की। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपनी रिहाई के बाद गांधी परिवार से मिलेगी, नलिनी ने कहा कि उनकी ऐसा करने की योजना नहीं है।

विकल्प के अभाव में भाजपा या राजद को वोट देते हैं बिहार के लोग : प्रशांत किशोर

बेतिया (एजेंसी)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में जनता की मजबूरी का विभिन्न दलों के द्वारा फायदा उठाया जा रहा है। बिहार में जनता बड़ी संख्या भाजपा को सिर्फ इसलिए वोट कर रही है, क्योंकि वह लालू के जंगलराज को वापस देखना नहीं चाहती। दूसरी तरफ एक बड़ी संख्या ऐसी भी है जो लालू को इसलिए वोट देती है क्योंकि वह भाजपा को वोट नहीं कर सकती।

प्रशांत किशोर ने कहा कि आप उदाहरण के तौर पर देख लीजिए चंपारण में पिछले 30 सालों से भाजपा जीत रही है, और फिर भी यहां इतनी समस्याओं पर हम बैठकर चर्चा कर रहे हैं। बिहार में ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था का जिक्र करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था एकदम ध्वस्त है। पदयात्रा के दौरान शायद ही कोई स्कूल मुझे ऐसा देखने को मिला जहां एक विद्यालय की 3 मूलभूत चीजें शिक्षक, छात्र और बिल्डिंग तीनों एक साथ मौजूद हो। जहां बिल्डिंग और छात्र हैं वहां शिक्षक नहीं है। हैरानी तब होती है जब पढ़े-लिखे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 17 साल के शासनकाल में भी शिक्षा की हालत ध्वस्त हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं कोई समाज सुधारक नहीं हूं, मेरी भूमिका केवल एक सूत्रधार की है। हम मिलकर केवल समाज के स्तर पर एक प्रयास कर रहे हैं। जिससे एक 'स्वच्छ राजनीतिक व्यवस्था' बनाई जा सके, जिसमें मेरी भूमिका केवल एक सूत्रधार की है। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि कोई भी व्यक्ति पदयात्रा करके गांधी नहीं बन सकता। जैसे 4 चुनाव जीतकर आप चाणक्य नहीं बन सकते। शताब्दियों में कोई एक गांधी या चाणक्य बनता है हम लोग केवल उनकी विचारधारा का अनुसरण कर सकते हैं। उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का प्रयास कर सकते हैं। प्रशांत किशोर ने विकसित बिहार को लेकर अपनी प्राथमिकता साझा करते हुए बताया कि उनका प्रयास है कि देश के 10 अग्रणी राज्यों में बिहार में शामिल होना चाहिए। पश्चिम चंपारण में प्रशांत किशोर पदयात्रा के माध्यम से अबतक 500 किमी से अधिक चलकर 300 से अधिक गांवों में गए हैं। प्रशांत किशोर ने बताया कि इन 42 दिनों में एक दिन भी गाड़ी पर नहीं बैठे हैं। जितनी ईमानदारी और शुद्धता से पदयात्रा कर सकते हैं, उससे अधिक करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे जो भी परिणाम निकल कर आएगा, और समाज इस पर कितना चलने के लिए तैयार है यह सब आपके सामने होगा। पहले अधिवेशन के बारे में जानकारी देते हुए पीके ने कहा कि अगर लोग मिलकर तय करते हैं कि दल बनाया जाना चाहिए, तो दल बनाया जाएगा।

प्रत्येक जाति अपनी अस्मिता को लेकर सचेत: थरूर

– टाटा लिटरेचर फेस्टिवल में कांग्रेस सांसद ने कहा

नई दिल्ली(एजेंसी)। आजादी के ठीक बाद के दशक की तुलना में आज के समय में भारतीय समाज में जाति की अधिक चेतना है। यह कहना है कांग्रेस सांसद शशि थरूर का। उन्हों ने कह कि टाटा लिटरेचर फेस्टिवल में ''आंबेडकर की खोई हुई विरासत'' विषय पर एक परिचर्चा में थरूर ने कहा कि प्रत्येक जाति अपनी अस्मिता को लेकर सचेत है और यह अस्मिता राजनीतिक रूप से एकजुट करने का जरिया बन गई है।

थरूर की पुस्तक ''आंबेडकरःए लाइफ''का विमोचन कार्यक्रम के दौरान किया गया। यह पुस्तक डॉ भीम

राव आंबेडकर की जीवनी है। थरूर ने कहा, ''आंबेडकर जाति प्रथा को पूरी तरह से खत्म करना चाहते थे और यह महसूस कर शायद वह भयभीत हो गये कि जाति प्रथा राजनीतिक दलों में कहीं अधिक गहरी जड़ें जमाई हुई है।' तिरूवनंतपुरम के सांसद ने एक श्रोता के प्रश्न का उत्तर देते हुए यह उल्लेख किया कि भेदभाव या छूआछूत के विरोधी राजनीतिक दल जाति के नाम पर वोट नहीं मांगते।

उन्होंने कहा जाति प्रथा खत्म होने से कोसों दूर है।उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने जाति प्रथा को खत्म करने के लिए लड़ाई लड़ी क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि जब तक जाति प्रथा की चेतना मौजूद रहेगी, उत्पीड़न भी होता रहेगा। उन्होंने कहा कि जाति अखबारों के वैवाहिक पृष्ठों की एक मुख्य विशेषता है।थरूर ने कहा कि आंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू, दोनों ही चाहते थे कि भारत से जाति प्रथा खत्म हो जाए तथा नेहरू ने सोचा कि आधुनिकीकरण के साथ यह खत्म हो जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारतीय डॉक्टर दुनिया में सबसे कुशल और योग्य हैं

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय चिकित्सकों के सेवाभाव व निष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें दुनिया में सबसे कुशल व योग्य चिकित्सक बताया। इसके साथ ही बिरला ने कहा कि भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली दुनिया भर के लोगों को सस्ता और सुलभ उपचार मुहैया करा रही है। बिरला यहां राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस) केराष्ट्रीय सम्मेलन एवं दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देश के युवाओं की बौद्धिक शक्ति एवं परिश्रम क्षमता के संदर्भ में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय चिकित्सक दुनिया के सबसे कुशल और योग्य चिकित्सक हैं तथा विश्व के सबसे विख्यात चिकित्सा संस्थानों में उपचार कर रहे हैं तथा चिकित्सा क्षेत्र में नवोन्मेष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सक अपनी कुशलता के साथ सेवाभाव और निष्ठा के कारण भी जाने जाते हैं। विश्व में चिकित्सा पर्यटन (मेडिकल टूरिज़्म) के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि भारतीय चिकित्सक एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली दुनिया भर के लोगों को सस्ता और सुलभ उपचार मुहैया करा रही है। बिरला ने गर्व व्यक्त किया कि पारंपरिक चिकित्सा में अपनी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाते हुए भारत ने एलोपैथिक चिकित्सा और सर्जरी के क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। एक बयान के अनुसार, बिरला ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी और अन्य प्रमुख संस्थानों से आग्रह किया कि वे भारत के सुदूर

ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत चिकित्सा सुविधा विकसित करने की दिशा में प्रभावी शोध करें। उन्होंने जन प्रतिनिधियों और चिकित्सकों के बीच प्रभावी संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि एनएएमएस जैसी संस्थाएं देश के गांवों में प्रशिक्षित चिकित्सक और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में विचार मंथन कर जन प्रतिनिधियों को जरूरी जानकारी दें।

गुजरात भाजपा में बगावत, 5 नेताओं ने दी निर्दलीय चुनाव में उतरने की धमकी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा टिकगट नहीं दिए जाने से खफा पार्टी के एक मौजूदा विधायक और 4 पूर्व विधायकों ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान किया जाएगा। भाजपा ने अब तक कुल 182 विधानसभा क्षेत्रों में से 166 क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा चुके हैं। पार्टी के असंतुष्ट नेताओं ने कहा वे समर्थकों से परामर्श करने के बाद अगला कदम उठाएंगे।

भाजपा के पूर्व विधायक हर्षद वसावा ने नंदोड (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उल्लेखनीय है कि हर्षद वसावा भाजपा की गुजरात इकाई के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने 2002 से 2007 और 2007 से 2012 तक पूर्ववर्ती राजपीपला सीट का प्रतिनिधित्व किया। नर्मदा जिले की नंदोड सीट पर वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। इस सीट से भाजपा ने डॉ दर्शन देशमुख को उतारा है। इस घोषणा से नाखुश हर्षद वसावा ने भाजपा में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और शुक्रवार को नंदोड सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

वसावा ने नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कहा कि यहां असली भाजपा और नकली भाजपा है। हम उन लोगों को बेनकाब करेंगे, जिन्होंने प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया है और नए लोगों को महत्वपूर्ण पद दे दिए। मैंने अपना इस्तीफा पार्टी को भेज दिया है। इस क्षेत्र के लोग जानते हैं कि मैंने 2002 से 2012 के बीच विधायक के रूप में कितना काम किया है।

पड़ोसी वडोदरा जिले में एक मौजूदा और दो पूर्व भाजपा विधायक टिकट न दिए जाने के कारण पार्टी से नाराज हैं। वाघोडिया से छह बार के विधायक मधु श्रीवास्तव ने टिकट नहीं दिए जाने के बाद कहा कि अगर उनके समर्थक चाहते हैं तो वह निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस सीट से अश्विन पटेल को उतारा है।

वडोदरा जिले की पादरा सीट से भाजपा के एक अन्य पूर्व विधायक दिनेश पटेल उर्फ दीनू मामा ने भी कहा है कि वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस सीट से चैतन्यसिंह जाला को टिकट दिया है। इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। करजन में भाजपा के पूर्व विधायक सतीश पटेल मौजूदा विधायक अक्षय पटेल को टिकट देने के निर्णय से नाखुश हैं। इस बीच, जूनागढ़ की केशोद सीट से भाजपा के पूर्व विधायक अरविंद लडानी ने शनिवार

को घोषणा की कि पार्टी द्वारा मौजूदा विधायक देवभाई मालम को टिकट दिए जाने के कारण वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। स्थिति को संभालने के लिए भाजपा की राज्य इकाई के महासचिव भार्गव भट्ट और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को वडोदरा का दौरा किया और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भट्ट ने विश्वास जताया कि भाजपा वडोदरा की सभी सीट पर जीत हासिल करेगी।

अमेरिका में एयर शो के दौरान आपस में टकराए दो विमान, 6 लोगों के मरने की आशंका

वाशिंगटन। अमेरिका में दो विमानों के बीच टक्कर की खबर है। दरअसल, अमेरिका में एयर शो के दौरान 'बी-17 फ्लाइंग फोर्ट्रेस' बमवर्षक विमान और एक छोटा विमान हवा में एयर शो के दौरान टकरा गए। इसके बाद दोनों ही विमान तुरंत जमीन पर आ गिरे और पूरी तरीके से आग के गोले में तब्दील हो गए। घटना अमेरिका के डलास की है। जानकारी के मुताबिक घटना में कम से कम 6 लोगों की मृत्यु हुई है। लेकिन इसकी पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से भी इसको लेकर कोई पुष्ट जानकारी नहीं दी है। अब तक जानकारी यह भी नहीं है कि विमान में कितने लोग सवार थे। दोनों विमानों के टकराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना शनिवार दोपहर लगभग 1:20 की है। वीडियो में साफ तौर पर पता चल रहा है कि एक विमान तेजी से आता है और दूसरे प्लेन से टकरा जाता है। टक्कर के बाद दोनों ही प्लेन के टुकड़े हवा में गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। धरती पर गिरने के साथ ही उनमें धमाका होता है और चारों तरफ धुंआ ही धुंआ दिखाई देने लगता है। पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर करतब का आयोजन करने वाली कंपनी और दुर्घटनाग्रस्त विमान की मालिक 'कॉमेमोरेटिव एयर फोर्स' की प्रवक्ता लियाह ब्लॉक ने 'एबीसी' न्यूज को बताया कि उनका मानना है कि 'बी-17 फ्लाइंग फोर्ट्रेस' बमवर्षक विमान में चालक दल के पांच सदस्य और पी-63 किंग कोबरा लड़ाकू विमान में एक व्यक्ति सवार था। घटना दोपहर करीब एक बजकर 20 मिनट पर शहर के मुख्य इलाके से लगभग 16 किलोमीटर दूर डलास एक्जिक्यूटिव एयरपोर्ट पर हुई। दुर्घटना के बाद आपात सहायता कर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए। एंथनी मोनटोया नामक व्यक्ति ने विमानों को टकराते हुए देखा। उन्होंने बताया कि मैं वहां खड़ा हुआ था। मैं पूरी तरह हैरान रह गया और कुछ समझ नहीं पाया। आसपास के सभी लोग हांफ रहे थे। सब फूट-फूट कर रो रहे थे। सब सदमे में थे। डलास के मेयर एरिक जॉनसन ने कहा कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने हवाई अड्डे को अपने नियंत्रण में ले लिया है। स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में पाक मूल के मुस्लिमों ने रचा इतिहास, सबसे ज्यादा हासिल की सीटें

वाशिंगटन। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में पाकिस्तान मूल के मुस्लिमों समुदाय के लोगें ने इतिहास रच दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मध्यावधि चुनाव में 82 मुस्लिमों प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। न्यू ब्रंसविक में शिक्षा बोर्ड के लिए चुनी गई 21 साल की अलीशा खान ने कहा कि मुझे पता है कि हमारी पीढ़ी को क्या चाहिए। इस चुनाव में चुने गए लोगों में उनकी उम्र सबसे कम है। अलीशा मूल रूप से पाकिस्तान की रहने वाली हैं। उसके माता-पिता कराची से न्यू जर्सी चले गए थे। पाकिस्तानी-अमेरिकी कॉर्पोरेट वकील और राजनीतिज्ञ सलमानी भोजानी और सुलेमान ललानी को भी टेक्सास विधानमंडल के लिए चुना गया है। उनकी जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि टेक्सास विधानमंडल में मुसलमानों का हमेशा खुले दिल से स्वागत नहीं किया जाता रहा है। 2007 में, राज्य के तत्कालीन सीनेटर डैन पैट्रिक ने मुस्लिम मौलवी द्वारा टेक्सास सीनेट की पहली प्रार्थना का बहिष्कार किया था। पैट्रिक अब लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में सीनेट की अध्यक्षता करते हैं।मध्यावधि चुनाव में संघीय, राज्य, स्थानीय और न्यायिक कार्यालयों के लिए 82 मुस्लिमों को चुना गया है, इसमें बड़ी संख्या में पाकिस्तानी हैं। एक पाकिस्तानी बेवसाइट के हवाले से कहा गया कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में एशियाई अमेरिकी चुने गए हैं, जिसमें भारतीय और पाकिस्तानी मूल के लोग शामिल हैं। इनमें मिशिगन से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए पहले भारतीय-अमेरिकी थानेदार और मैरीलैंड के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में चुने गए पहले अप्रवासी और पहले एशियाई-अमेरिकी अरुणा मिलर शामिल हैं। फिर से चुने गए लोगों में डेलावेयर राज्य के प्रतिनिधि मदीना विल्सन-एंटोन, कोलोराडो राज्य के प्रतिनिधि इमान जोदेह और कोलोराडो राज्य के सीनेटर पाकिस्तानी अमेरिकी सऊद अनवर शामिल हैं। जॉर्जिया में भी मौजूदा सीनेटर शेख रहमान के अलावा दो मुस्लिम महिलाओं ने जीत दर्ज की है। नबीलाह इस्लाम राज्य के सीनेटर बनेंगे और रूवा रोमन प्रतिनिधि सभा में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इंडियाना के एक निर्वाचन क्षेत्र में, मुस्लिम डेमोक्रेट आंद्रे कार्सन ने रिकॉर्ड 7वीं बार कांग्रेस के लिए निर्वाचित होकर इतिहास रच दिया। मिशिगन में डेमोक्रेट राशिदा तलीब तीसरी बार निर्वाचित हुई हैं। एक अन्य मुस्लिम डेमोक्रेट, इल्हान उमर, मिनेसोटा से तीसरी बार फिर से चुने गए। कीथ एलिसन मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल के रूप में फिर से चुने गए।

डोनाल्ड ट्रंप 15 नवंबर को कर सकते हैं 2024 में होने वाले चुनाव में अपनी दावेदारी का ऐलान

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 2024 में होने वाले चुनाव के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान अगले सप्ताह यानी 15 नवंबर को कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार उनके सहयोगी और लंबे समय से सलाहकार रहे जेसन मिलर ने यह दावा किया है। मिलर ने बताया कि ट्रम्प अगले सप्ताह मंगलवार को घोषणा कर सकते हैं कि वह राष्ट्रपति चुनाव की रेस में शामिल होंगे। मिलर के मुताबिक ये घोषणा बेहद रोचक और पेशेवर तरीके से की जाएगी। मिलर ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से इस बारे में बात की और कहा कि ट्रम्प ने दोहराया कि राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर उनके मन में कोई भी संदेह नहीं है। वह पूरी तरह से मन बना चुके हैं कि वह 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ताल ठोकेंगे। मिलर ने ट्रंप के हवाले से कहा कि वह चुनावी रेस में हिस्सा लेंगे। ट्रंप ने कहा कि 'मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि लोगों को पता चले कि मैं उत्साहित हूं और हमें देश को पटरी पर लाना है'। ट्रंप के करीबी मिलर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को फ्लोरिडा के मारा-ए-लागो एस्टेट में यह घोषणा करने वाले हैं। मिलर के अनुसार ट्रम्प को मौके पर भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। मिलर ने 2016 और 2020 में ट्रम्प के लिए प्रचार किया था। इतना ही नहीं, जब ट्रंप राष्ट्रपति बने थे, तो मिलर उनके सलाहकार थे। ट्रंप ने कहा था कि वह अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के नतीजों के बाद 15 नवंबर को कोई बड़ा ऐलान करेंगे। इसके बाद ऐसी अटकलें लगनी शुरू हो गई कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं।

शाहरुख को शारजाह में मिला ग्लोबल आइकन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नैरेटिव अवार्ड

शारजाह। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान शारजाह इंटरनेशनल बुक फेयर (एसआईबीएफ) 2022 में शामिल हुए, जहां उन्हें ग्लोबल आइकन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नैरेटिव अवार्ड से सम्मानित किया गया। एक स्लीक बैक-ब्रश हेयरडू के साथ एक ऑल-ब्लैक अवतार में पहुंचे अभिनेता को सांस्कृतिक परिदृश्य में योगदान और लेखन और रचनात्मकता के क्षेत्र में योगदान के लिए पुरस्कार मिला है। उल्लेखनीय है कि शाहरूख खान के प्रशंसक भारत के अलावा यूरोप, मध्य पूर्व और अमेरिका में फैले हुए हैं, मेले में उनकी उपस्थिति सिनेमा और सांस्कृतिक कथा के एसआईबीएफ वैश्विक प्रतीक का पहला सम्मान है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद अभिनेता ने कहा कि शब्द, किताबें और कहानियां, ये चीजें हैं जो एक साथ लाती हैं। हम सिनेमा, कहानी, कहानियों, किताबों और नृत्य के माध्यम से मानवता को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। किताबें हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं, केवल पढ़ना ही नहीं, इसके सार को हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा हम सभी, चाहे हम कहीं भी रहते हों, किसी भी रंग के हों, किसी धर्म का पालन करते हो या किसी गीत पर नृत्य करते हों, सभी प्रेम, शांति और करुणा की संस्कृति में पनपते हैं। मंच पर शाहरुख ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से अपने प्रतिष्ठित बाहों को फैलाते हुए उन्होंने फिल्म 'ओम शांति ओम' के अपने चर्चित संवाद के साथ दर्शकों का मनोरंजन किया-इतनी शिद्दत से मैंने तुम्हें पाने की कोशिश की है, कि हर जरे ने मुझे तुमसे मिलाने की साज़िश की है। कहते हैं कि अगर किसी चीज को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है। उन्होंने 1993 की अपनी हिट 'बाजीगर' फिल्म के संवाद भी जोड़े। एसआईबीएफ के बॉलरूम के अंदर सबके पसंदीदा अभिनेता की एक झलक पाने के लिए भीड़ ने बेतहाशा खुशी मनाई और कुर्सियों पर खड़ी हो गई।

सिडनी में इलावारा एयर शो में शामिल एक विमान।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व पीएम नवाज शरीफ दिसंबर में पाकिस्तान लौट सकते हैं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ आत्म-निर्वासन समाप्त कर अगले आम चुनाव में अपनी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए लंदन से पाकिस्तान लौट सकते हैं। मीडिया में शनिवार को आई एक खबर में दावा किया गया है कि वह दिसंबर में स्वदेश वापसी कर सकते हैं। शुक्रवार को मीडिया में आई खबर में कहा गया था कि 72 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री को पीएमएल-एन नीत सरकार द्वारा राजनयिक पासपोर्ट दिया गया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने पार्टी सूत्रों के हवाले से कहा कि शरीफ आखिरकार दिसंबर में पाकिस्तान लौटेंगे। हालांकि, सूत्र ने कहा कि इस कदम को सरकार द्वारा समय से पहले चुनाव कराने के संकेत के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। सूत्र के हवाले से अखबार ने कहा कि यह अफवाहें सच नहीं हैं कि शरीफ चुनाव के करीब आने पर प्रचार के लिए लौटेंगे, क्योंकि उनकी वापसी का किसी भी तरह से मतलब यह नहीं है कि पीएमएल-एन नीत सरकार समय से पहले चुनाव के लिए सहमत हो गयी है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अप्रैल में उन्हें पद से हटाए जाने के बाद से मध्यावधि चुनाव की मांग कर रहे हैं। नेशनल असेंबली का मौजूदा कार्यकाल अगस्त 2023 तक है।

भारत और आसियान देशों ने आतकंवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां 19वें आसियान-भारत सम्मेलन को संबोधित किया, जिसके बाद भारत और आसियान देशों ने आतंकवाद के खिलाफ व्यापक रणनीतिक भागीदारी कायम करने और सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। धनखड़ कंबोडिया की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। इस वर्ष आसियान-भारत संबंधों की 30वीं वर्षगांठ है और इसे आसियान-भारत मैत्री वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ (आसियान) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसमें दक्षिण पूर्वी एशियाई के 10 देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमा, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम सदस्य हैं। भारत-आसियान ने दोनों पक्षों के बीच संवाद मंच स्थापित करके साइबर सुरक्षा पर सहयोग मजबूत बनाने पर जोर दिया। एक संयुक्त बयान में, उन्होंने दक्षिण पूर्वी एशिया और भारत के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध, समुद्री संपर्क और सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की, जो पिछले 30 वर्षों में मजबूत हुए हैं और आसियान-भारत संबंधों के लिए एक ठोस आधार बन गए हैं। सम्मेलन को संबोधित करने से पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन के साथ मानव संसाधन, बारूदी सुरंगों को हटाने और विकास परियोजनाओं जैसे क्षेत्रों समेत द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। भारत और आसियान देशों ने संयुक्त बयान में डिजिटल परिवर्तन, डिजिटल व्यापार, डिजिटल कौशल एवं नवाचार में विभिन्न क्षेत्रीय कौशन निर्माण गतिविधियों के माध्यम से डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाने की घोषणा की। बयान में कहा गया है, ÷हम आसियान स्मार्ट सिटीज नेटवर्क (एएससीएन) और भारत के स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सहयोग बढ़ाने के विकल्प तलाशेंगे, इसके लिए आपस में श्रेष्ठ पद्धतियों एवं क्षमता निर्माण में परस्पर सहयोग करेंगे ताकि ऐसे शहरों के निर्माण में मदद मिले जो तकनीकी दृष्टि से उन्नत हो। धनखड़ 13 नवंबर को, 17वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसमें दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) के सदस्य देश और इसके आठ संवाद सहयोगी भारत, चीन, जापान, कोरिया गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका और रूस शामिल हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में, नेता पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन तंत्र को और मजबूत करने के तरीकों के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद और निरस्त्रीकरण सहित क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय मामलों पर चर्चा करेंगे।

ASEAN
CAMBODIA 2022
ASEAN A.C.T.: Addressing Ch ges Together

चीन ने कक्षा में अपने स्पेस स्टेशन के लिए कार्गो अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन को आपूर्ति भेजने के लिए शनिवार को कार्गो अंतरिक्ष यान 'तियानजू' का सफल प्रक्षेपण किया। तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण इस साल तक पूरा होने की उम्मीद है। अंतरिक्ष में मानव मिशन से संबंधित चीन की एजेंसी 'सीएमएसए' (चाइना मैन्ड स्पेश एजेंसी) ने बताया कि दक्षिणी हैनान प्रांत में वेंचचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से 'तियानजू-5' को लेकर सुबह रवाना हुआ 'लांग मार्च-7 वाई6' रॉकेट सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में पहुंच गया।

समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार एजेंसी ने इसे पूरी तरह सफल प्रक्षेपण बताया है। इससे पहले, 31 अक्टूबर को चीन ने अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को अंतिम चरण में ले जाने के लिए 'मेंगटियन मॉड्यूल' नामक दूसरी प्रयोगशाला की शुरुआत की थी। चीन अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीक (सीएएसटीसी) ने पहले घोषणा की थी कि निम्न-कक्षा के लिए अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण इस वर्ष पूरा होने की उम्मीद है। तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों के दो समूहों को छह महीने के मिशन पर इसके 'तियान्हे' नामक मुख्य मॉड्यूल में भेजा गया था। एक ओर, अंतरिक्ष यात्रियों का एक समूह वापस आ गया है, तो दूसरी ओर तीन अंतरिक्ष यात्रियों का एक और समूह फिलहाल इसके निर्माण को पूरा करने के लिए तियान्हे में स्थित है। निर्माण के बाद चीन एकमात्र ऐसा देश होगा जिसके पास पूरी तरह से एक अंतरिक्ष स्टेशन होगा और वह नासा के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (एसएसएस) का प्रतिस्पर्धी होगा। पर्यवेक्षकों का कहना है कि आने वाले वर्षों में आईएसएस का कार्यकाल बीत जाने के बाद सीएसएस (चीनी अंतरिक्ष स्टेशन) कक्षा में रहने वाला एकमात्र अंतरिक्ष स्टेशन बन सकता है।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की विशेष सैन्य इकाइयाँ खेरसॉन में हैं

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध की शुरुआत में ही रूसी सेना द्वारा कब्जा जमा ली गयी बड़ी प्रांतीय राजधानी खेरसॉन में विशेष सैन्य इकाइयां दाखिल हो चुकी हैं। खेरसॉन से रूस (रूसी सेना) के पीछे हटने पर शहर में लोगों ने खुशियां मनायी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस शहर से अपने सैनिकों को वापस बुला लेने की प्रक्रिया पूरी होने के रूस के ऐलान के कुछ घंटों बाद एक वीडियो संबोधन में, राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, ÷अभी हमारे रक्षक शहर की बढ़ रहे हैं। थोड़ी देर में हम शहर प्रवेश करने वाले हैं। लेकिन विशेष इकाइयां पहले से ही शहर में हैं।'' रूस ने इस बड़े शहर में अपनी मजबूत पकड़ छोड़ दी। जब 24 फरवरी को यूक्रेन पर रूस ने आक्रमण किया था, तो खेरसॉन सबसे पहले उसके कब्जे में आने वाले स्थानों में एक था। रूसी सैनिकों की वापसी ऐसे स्थानों पर यूक्रेनी सेना के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल साबित हो सकती है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सभी सैनिक यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र को विभाजित करने वाली नदी के पश्चिमी तट से सुबह 5 बजे तक पूरी तरह लौट गये। उन्होंने जिस क्षेत्र को छोड़ा, उसमें खेरसॉन शहर शामिल है जो एकमात्र प्रांतीय राजधानी थी जिसे रूस ने यूक्रेन पर अपने लगभग नौ महीने के आक्रमण के दौरान कब्जा कर लिया था। सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरों में खेरसॉन की सड़कों पर लोगों को खुशीमनाते हुए देखा गया है। मार्च की शुरुआत में इस शहर पर कब्जा कर लिये जाने के बाद पहली बार एक केंद्रीय खेरसॉन चौक पर एक स्मारक के ऊपर एक यूक्रेनी झंडा फहराया गया।

कार्बन उत्सर्जन के लिए सिर्फ कोयला नहीं, सभी जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार: भारत

शर्म अल-शेख (एजेंसी)। कोयले के उपयोग को समाप्त करने की बढ़ती मांग के बीच भारत ने मिस्र में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता (कॉप-27) में एक मजबूत स्टैंड लेते हुए कहा कि किसी एक ईंधन को 'खलनायक' बनाना सही नहीं है, क्योंकि प्राकृतिक गैस और तेल भी कार्बन उत्सर्जन का बड़ा कारण बनते हैं। कॉप-27 के दौरान लिए गए निर्णयों पर अध्यक्षीय परामर्श के दौरान अपना हस्तक्षेप करते हुए भारत ने निर्णय में कुछ बिंदुओं को शामिल करने का सुझाव दिया, भारत ने कहा कि पेरिस समझौते के दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की आवश्यकता है।

नई दिल्ली ने राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में तेजी लाने का आग्रह किया और कहा 'सभी जीवाश्म ईंधन ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में योगदान करते हैं। भारत ने अन्य देशों को भी सतत उपभोग और उत्पादन के विषय में सतत विकास लक्ष्यों 12 (एसडीजी-12) पर विचार करने और जलवायु के अनुकूल जीवन शैली के लिए वैश्विक जन आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया।

भारतीय पक्ष ने कहा कि उत्सर्जन के स्रोतों में से किसी एक को अधिक हानिकारक बताने या ग्रीनहाउस गैसों के स्रोत होने पर भी उसे 'ग्रीन और टिकाऊ' स्तर का घोषित करने के लिए अभी तक हमारे पास उपलब्ध सर्वोत्तम विज्ञान में कोई आधार नहीं है। इस बात पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कि देश ऊर्जा के उपयोग, आय और उत्सर्जन में भारी असमानताओं के साथ एक असमान दुनिया में रह रहे हैं, भारत ने वार्ताकारों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि वैश्विक कार्बन बजट का आकार तेजी से सिकुड़ रहा है और इसके समान बंटवारे की आवश्यकता है। भारत ने नवीनतम वैश्विक कार्बन परियोजना रिपोर्ट की पृष्ठभूमि में यह बात कही, जिसमें शुक्रवार को उल्लेख किया गया था कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की 50 फीसदी संभावना के लिए शेष कार्बन बजट घट गया है।

भारतीय वार्ताकारों ने मिस्र के कॉप-27 अध्यक्ष को बताया कि पेरिस समझौते के तहत सामान्य लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों, हिस्सेदारी और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं के बुनियादी सिद्धांत हैं। इन सिद्धांतों को इस सम्मेलन के मूल बिंदुओं से जुड़े विषय को लेकर किए गए निर्णय में दृढ़ता से जोर देने की आवश्यकता है। मूल बिंदुओं के निर्णय को लेकर वार्ता शनिवार को शुरू हुई जिसमें देशों ने प्रस्ताव दिया कि वे अंतिम सौदे में क्या शामिल करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (काप-26) में वार्ता कोयले के निरंतर उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से कम करने के समझौते के साथ समाप्त हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि संकटग्रस्त म्यांमार पर विश्व विफल हो गया है

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने शनिवार को कहा कि दुनिया म्यांमा के मामले में नाकाम रही है। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) अगले साल तक शांति के लिए अपनी योजना का पालन कराने को लेकर सदस्य देशों पर दबाव बनाने में सक्षम होगा। नोम पेन्ह में आसियान के शिखर सम्मेलन में नेताओं ने शुक्रवार को एक योजना पर सहमति व्यक्त की, जिसके तहत 2023 में संगठन की अध्यक्षता संभालने वाले इंडोनेशिया पर म्यांमा के लिए मापदंड तय करने और शांति के लिए पांच सर्वसम्मत बिंदु को लागू करने की जिम्मेदारी होगी। इंडोनेशिया आसियान के उन सदस्यों में से है जो म्यांमा में स्थिति को संबोधित करने के लिए और अधिक कदम उठाने की आवश्यकता के बारे में सबसे अधिक मुखर रहा है। गुतारेस ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें लगता है कि 'इंडोनेशिया की सरकार सकारात्मक तरीके से एजेंडा को आगे बढ़ाने में सक्षम होगी।' आसियान के शुक्रवार को घोषित निर्णय में संगठन के प्रयासों का समर्थन करने में सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य 'बाहरी भागीदारों' से पूछना शामिल है। गुतारेस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि म्यांमा के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नोलीन हेजर देश में 'मानवाधिकारों के उल्लंघन' को समाप्त करने के लिए आसियान समकक्ष के साथ मिलकर काम करेंगी। गुतारेस ने कहा, 'म्यांमा के संबंध में हर कोई नाकाम रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय समग्र रूप से नाकाम हो गया है और संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा है।' आसियान की शांति योजना में हिंसा की तत्काल समाप्ति, सभी पक्षों के बीच बातचीत, आसियान के विशेष दूत द्वारा मध्यस्थता, मानवीय सहायता का प्रावधान और सभी पक्षों से मिलने के लिए विशेष दूत द्वारा म्यांमा की यात्रा का आह्वान किया गया है।

इमरान ने कहा- अब अमेरिका के साथ संबंध सुधारना चाहते हैं

इमरान ने अमेरिका पर पाकिस्तान के साथ गुलामों जैसा बर्ताव करने का आरोप भी लगाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ संबंधों को सुधारना चाहते हैं। उन्होंने अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव लाकर सत्ता से हटाए गए इमरान ने पूरे प्रकरण के पीछे विदेशी साजिश को जिम्मेदार ठहराया था। उनका इशारा अमेरिका की ओर था लेकिन अब वह वॉशिंगटन के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। कुछ दिनों पहले जानलेवा हमले में इमरान के पैर में गोली लगी थी। उन्होंने अपने ऊपर हमले के लिए पाक पीएम शहबाज शरीफ समेत तीन लोगों पर आरोप लगाया है।अपने एक साक्षात्कार में इमरान खान ने कहा कि वह अब अमेरिका को %दोषी% नहीं ठहराते हैं और दोबारा चुने जाने पर सम्मानजनक संबंध चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान डिफॉल्ट की कगार पर है और देश के आईएमएफ प्रोग्राम की भी आलोचना की। कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान में अगले साल होने वाले आम चुनावों में इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ जीत सकती है।

एक साक्षात्कार में जब इमरान से पूछा गया कि वह चुनाव तक इंतजार क्यों नहीं करना चाहते तो उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान की चिंता है जो लगातार नीचे जा रहा है। इमरान ने कहा ?कि मैं जिस पाकिस्तान का नेतृत्व करना चाहता हूं, उसके सभी के साथ अच्छे संबंध होने चाहिए, खासकर अमेरिका के साथ।% उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हमारे संबंध एक मालिक-नौकर या मालिक और गुलाम के रहे हैं लेकिन इसके लिए मैं अमेरिका से ज्यादा अपनी सरकारों को दोषी ठहराऊंगा। खान ने पाकिस्तान के आईएमएफ प्रोग्राम को भी जमकर कोसा जिसकी शुरुआत 2019 में उनकी सरकार ने की थी। आलोचकों ने इमरान पर अमेरिका, आईएमएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, जिन पर पाकिस्तान आर्थिक रूप से निर्भर है, के साथ संबंधों को बिगाड़कर देश की अर्थव्यवस्था को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। एक जर्मन न्यूज चैनल के साथ साक्षात्कार में इमरान से पूछा गया कि उनके पास क्या सबूत हैं जिनके आधार पर वह शहबाज शरीफ और सेना पर अपने ऊपर जानलेवा हमले का आरोप लगा रहे हैं। जवाब में उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास सिर्फ परिस्थितिजन्य सबूत हैं।

संपादकीय

फीस की टीस

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि कारोबार का यह रोग अब मेडिकल पढ़ाई के उस क्षेत्र में भी फैलने लगा है जहां धरती पर दूसरे भगवान कहे जाने वाले डॉक्टर तैयार होते हैं। जब ये प्रतिभावान बच्चे परिवार का पेट काटकर जमा पैसे से पढ़ाई करेंगे तो क्या समाज में सस्ती चिकित्सा गरीबों को मिल सकेगी? या फिर वे महंगी शिक्षा पूरी करने के बाद खर्च किये रुपयों की उगाही में लग जाएंगे? संकट यह भी है कि मोटा पैसा खर्च कर सकने वाले अयोग्य लोग डिग्री हासिल कर सकेंगे और पैसा न जुटा सकने वाली प्रतिभाएं हमें डॉक्टर के रूप में नहीं मिल सकेंगी।

लोक कल्याणकारी शासन की जवाबदेही से भागती सरकारों और शिक्षण संस्थाओं के व्यापार के केंद्र बनने की जिस चिंता को सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में व्यक्त किया है, उसका अनुपालन सुनिश्चित होना चाहिए। सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि प्रतिभाओं को मोटी फीस की टीस न चुभे। विडंबना यह है कि शिक्षा के क्षेत्र में राजनेताओं की गहरी होती दखल से यह रोग निरंतर बढ़ता जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि कारोबार का यह रोग अब मेडिकल पढ़ाई के उस क्षेत्र में भी फैलने लगा है जहां धरती पर दूसरे भगवान कहे जाने वाले डॉक्टर तैयार होते हैं। जब ये प्रतिभावान बच्चे परिवार का पेट काटकर जमा पैसे से पढ़ाई करेंगे तो क्या समाज में सस्ती चिकित्सा गरीबों को मिल सकेगी? या फिर वे महंगी शिक्षा पूरी करने के बाद खर्च किये रुपयों की उगाही में लग जाएंगे? संकट यह भी है कि मोटा पैसा खर्च कर सकने वाले अयोग्य लोग डिग्री हासिल कर सकेंगे और पैसा न जुटा सकने वाली प्रतिभाएं हमें डॉक्टर के रूप में नहीं मिल सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के मेडिकल कालेजों में ट्यूशन फीस सात गुना बढ़ाकर 24 लाख सालाना करने के निर्णय पर रोक लगाने के आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को यथावत ् रखने के बाद की गई। कोर्ट ने इस बढ़ोतरी को अनुचित और फीस निर्धारण करने वाले नियमों का उल्लंघन बताया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में बिना उचित मंजूरी के कई ऐसे बुनियादी ढांचे खड़े किये गये हैं, जो खुलेआम मुनाफाखोरी के मकसद से व्यवसाय कर रहे हैं। ये संस्थान पेड सीट्स और कैपिटेशन फीस लेकर फल-फूल रहे हैं। जिसमें योग्यता को दरकिनार कर दिया जाता है। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों के मेधावी बच्चों का कठिन तैयारी के बावजूद डॉक्टरी की पढ़ाई कर पाना असंभव होता जा रहा है। नीति-नियंताओं का दिवालियापन देखिये कि देश में योग्य चिकित्सकों की भारी कमी के बावजूद प्रतिभाओं को आगे बढ़ने से रोका जा रहा है।यह दुखद है कि इन शिक्षण संस्थाओं के संचालकों की मनमानी रोकने में केंद्रीय नियामक संस्थाएं बेदम नजर आ रही हैं। जिसके चलते चिकित्सा शिक्षा के ढांचे में जरूरी सुधार नहीं हो पा रहे हैं। जबकि देश में पारदर्शी, गुणात्मक व जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करने की जरूरत है। निस्संदेह कोर्ट द्वारा याचिकाकर्ता और आंध्र सरकार पर पांच लाख का जुर्माना वक्त की जरूरत है क्योंकि देश में विशेषज्ञता वाला शिक्षण बहुत महंगा हो गया है। जिसके चलते सस्ती व उम्दा पढ़ाई के लिये भारतीय प्रतिभा का विदेशों में पलायन हो रहा है। हाल में यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों की दुर्दशा जगजाहिर है। वहीं दूसरी ओर, हरियाणा में बॉन्ड पॉलिसी के खिलाफ मेडिकल के छात्र आंदोलनरत हैं। पीजीआई रोहतक में एमबीबीएस के छात्रों के लिये सरकार ने करीब दस लाख रुपये का बॉन्ड भरने की शर्त रखी है, जिसके खिलाफ छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर कर विरोध कर रहे हैं। सोचा जा सकता है कि इन हालात में ईमानदारी से नौकरी कर रहा व्यक्ति कभी अपने बच्चों को डॉक्टर कैसे बना पायेगा। निस्संदेह, यह खर्चा अभिभावकों की कमर तोड़ने वाला है। महंगाई के इस दौर में कोई कैसे इतना पैसा अपने एक बच्चे पर खर्च कर पायेगा। निस्संदेह यह सत्ताधीशों की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही है। बहुत संभव है कि यह राशि न जमा कर पाने के कारण कई प्रतिभाएं आगे पढ़ने से वंचित रह जायें। पास के उत्तर प्रदेश व एम्स में यह फीस मात्र हजारों में है। ऐसे में प्रतिभाओं का पलायन स्वाभाविक ही है। कठिन परिश्रम से मेडिकल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के साथ यह अन्याय ही है।

सूक्ति

केवल अंग्रेज़ी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएँ सीखी जा सकती हैं। - विनोबा भावे

हज़ार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है। - गौतम बुद्ध

लॉफिंग ज़ोन

एक भिखारी सड़क के किनारे बैठा आवाज लगा रहा था. भगवान के नाम पर इस अंधे पर रहम करो. बाबा, आठ आने का सवाल है बाबा! वहां से गुजरते एक व्यक्ति ने भिखारी के सामने खड़े होकर कहा - कल तो तुम सामने वाले नुक्कड़ पर लॉटरी कि टिकट खारीद रहे थे और आज अंधे होने का ढोंग करके लोगों को धोखा दे रहे हो. शर्म नहीं आती?

भिखारी - काहे की शर्म? वह मेरी सिविल लाइफ थी और यह मेरी प्रोफेशनल लाइफ है.

☺ ☺ ☺

फुटपाथ पर कंघे बेचने वाला जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहा था - 'साहेबान, आप इस कंघे को हथौड़े से पीट सकते हैं, फर्श पर पटक सकते हैं, मोड़कर दोहरा भी कर सकते हैं...'

'भैया, क्या हम इससे बाल भी संवार सकते हैं?' एक व्यक्ति ने बीच में टोक कर पूछा.

☺ ☺ ☺

मेहमान (मेजबान से)- मैं कल वापस जा रहा हूं, आपको तो बुरा लग रहा होगा.

मेजबान - हां, बुरा तो लग रहा है, मुझे लग रहा था कि आप आज ही जा रहे हैं.

☺ ☺ ☺

बालश्रम की भट्ठी में झुलसता देश का भविष्य- ?

देश में समय-समय पर बाल मजदूरी के हजारों मामले प्रकाश में आते रहते है।देश में बाल मजदूरी के आंकडे चैंकाने वाले है ।प्रतिदिन कही न कही बाल मजदूरों को रिहा करवाया जाता है। चाय की दुकानों ,ढाबों ,होटलों, उद्योगों और घरों में भी 18.18 घंटे काम लिए जाने की घटनाएं तो आम हैं ही ,इन्हे इसके बदले दिया जाने वाला मेहनतनामा भी कम होता है। प्रतिदिन देश में बालमजदूरों को रिहा करवाया जाता है।अगर इस पर सख्त कानून बनाया जाए तो यह बालमजदूरी पर रोक लग सकती है ।

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

(14 नवबंर 2022 बाल दिवस पर विशेष)

बेशक14 नंवम्बर 2022 को बाल दिवस मनाया जा रहा है।मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गये है। जिन बच्चों के हाथों में किताब, कापी, पैंसिल होनी चाहिए वे हाथ जोखिम उठा रहे हैं मजदूरी कर रहे हैं गैंती-बेलचा चला रहे हैं नन्हे हाथों में छाले आ जाते हैं जब यह मजदूरी करते हैं ।भले ही आज देश आजाद हो चुका है मगर देश का आधार माने जाने वाले बच्चे आज भी बाल मजदूरी की जजीरों से आजाद नहीं हो पाए हैं,बाल मजदूरों का शोषण किया जा रहा है। बालश्रम की भट्ठी में बचपन झुलस रहा है मगर जनता के मसीहा बेखबर हैं।भारतीय संविधान की अनुच्छेद 24 के अर्न्तगत बालश्रम अबैध घोषित है। मगर कानून फाईलों की शोभा बढा रहे हैं। समझ नहीं आता कि जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बालश्रम की समस्या हमारे देश में नई नहीं हैं।यह समस्या बेहद गंभीर स्थिति में पहुंच चुकी है।देश में बाल मजदूरों की संख्या निरंतर बढती जा रही है। देश में समय-समय पर बाल मजदूरी के हजारों मामले प्रकाश में आते रहते है।देश में बाल मजदूरी के आंकडे चैंकाने वाले है ।प्रतिदिन कही न कही बाल मजदूरों को रिहा करवाया जाता है। चाय की दुकानों ,ढाबों ,होटलों, उद्योगों और घरों में भी 18.18 घंटे काम लिए जाने की घटनाएं तो आम हैं ही ,इन्हे इसके बदले दिया जाने वाला मेहनतनामा भी कम होता है। प्रतिदिन देश में बालमजदूरों को रिहा करवाया जाता है।अगर इस पर सख्त कानून बनाया जाए तो यह बालमजदूरी पर रोक लग सकती है ।,देश का भविष्य कहलाले वाले इन नौनिहालों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है ,यह किसी भी सभ्य समाज और कानून में मान्य नहीं होना चाहिए। हर रोज एसे मामले समाचारों की सुखि।यां बनती है।ऐसे मामलो को पर कुछ दिन कारबाई होती है उसके बाद वही परिपाटी चलती रहती है।बाल मजदूर पिसते रहते है।जनमानस को भी बाल मजदूरी के ऐसे मामलों की शिकायत प्रशासन से करनी चाहिए ताकि उनका शोषण रोका जा सके। देश के प्रत्येक राज्य में ऐसे मामले घटित होते रहते है।अगर प्रशासन सर्तकता से इन पर संज्ञान ले तब इस पर रोक लग सकती है।कानूनों की अवहेलना करने वालों पर शिंकजा कसा जाए।मालिको को हवालातों में डाला जाए जो बच्चों का शोषण कर रहे है।प्रशासन को छापेमारी करके इन बच्चों को छुडाना चाहिए। आखिर कब तक बालश्रम कानून की धज्जियां उडती रहेगीं। बाल मजदूरी एक कड़वी सच्चाई है इससे सरकारों को अनदेखा नहीं करना चाहिए अपितू सख्त कानून बनाकर इसका खात्मा करना चाहिए। जिनके अभी खेलने कूदने के दिन हैं वे ऐसे काम करते हैं कि रुह कांप उठती हैं। बाल मजदूरी आज एक बहस का विषय बनता जा रहा है, कानूनों का मजाक उडाया जा रहा है सरकारें भी कानून बनाकर इतिश्री कर लेती है यदि शिकजा कसा जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है।,श्रम विभाग व्दारा भी कभी कभार छापामारी की जाती है मगर फिर वही सिलसिला चलता रहता है।सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं,यदि सरकारों को जरा भी सदमा होता तो इस प्रथा पर जरूर रोक लगाती। यह समस्या विश्वव्यापी है। आज पटाखा फैक्टरियों,चूडियों के उद्योगों में ,गलीचा बनाने वाले उद्योगों में बाल मजदूरों की संख्या ज्यादा है।देश में समय-समय पर बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं द्वारा छुडाया जाता है ।उतरप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडू ,गुजरात, आन्ध्रप्रदेश,हिमाचल प्रदेश में उद्योगों में अधिकतर काम बालश्रमिकों के कधों पर हैं।बालश्रम का यह अवैध धंधा बडे पैमाने पर पनपता जा रहा है।समाज को इस पर मंथन करना होगा।अगर समय रहते इस पर रोक न लगाई तो भविष्य में हालात बेकाबू हो सकते है।देश में खैनी, जरदा, तम्बाकू, गुटका,बीडी, व अन्य नशीले पदार्थों के उद्योगों में बालश्रमिक ही इन को बनाते हैं।माचिस ,आतिशबाजी, के उद्योगों में इनका शोषण किया जाता है। इनके मालिक इनको भर पेट खाना तक नहीं खिलाते है जिस कारण कई बाल मजदूर बीमार हो जाते है और असमय काल का ग्रास बन जाते हैं इनके मालिको द्वारा इनके स्वास्थ्य की जांच तो दूर की बात है।बाल मजदूरी गरीबी की वजह से पैदा होती हैं। परिवार पालने के लिए दिन रात काम करते हैं इन बाल मजदूरों को आराम तक का समय भी नहीं मिलता है । बालश्रम के उन्मूलन के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए। यह देश के लिए बहुत ही शर्मनाक है। आज बाल मजदूरों की संख्या में अप्रत्याशित रुप से वृद्वि होती जा रही हैं मगर सरकारें इस पर रोक लगाने में अक्षम नजर आ रही है प्रतिदिन हजारों बाल मजदूरों को सामाजिक संस्थाओं के प्रयासों से मुक्त करवाया जाता है मगर ऐसे भी मामले हैं जो प्रकाश में नहीं आ रहे हैं और बालमजदूर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं ।प्रशासन को चाहिए बिना समय गंवाए इस पर त्वरित एक्शन लेना चाहिए।देश में आज बाल श्रमिकों का आंकड़ा कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। इस पर रोक लगानी होगी।आज नाबालिग बच्चों को जबरदस्ती बाल मजदूरी की तरफ झोंका जाता है।बाल मजदूरों की सुरक्षा के लिए काफी कानून बने हैं पर वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। यदि इन्हे कारगर ढंग से लागू किया जाए तो इस पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। आज यह समस्या विश्व व्यापी बनती जा रही हैं।बाल मजदूरी को रोकने के लिए समाज के लोगों को आगे आना होगा ताकि इस पर नकेल लग सके और देश का भविष्य बर्बाद होने से बच सके। समाज को एक व्रत लेना होगा तभी इस पर लगाम लग सकती हैं।देश के भविष्य बचपन को बचाना होगा। एक अभियान चलाना चाहिए ताकि बाल मजदूरों को मुक्त करवाया जा सके।यह देश हित में है।बाल मजदूरी की इस प्रथा को जड़ से मिटाना होगा। अन्यथा बाल मजदूर बालश्रम की भठठी में झुलसते रहेंगें।

(वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार)

ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू

(लेखिका - श्वेता गोयल/बाल दिवस (14 नवम्बर) पर विशेष)

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शख्सियत से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवम्बर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, ''मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोंपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।'' पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान् शख्सियत और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं।

एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुरोधपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकूर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे। जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलाते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे, वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते। एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मास्को जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं चलाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़ाके से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मास्को में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया। नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चे गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उछलकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी।

जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बाल्टी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी भरते ही गेंद पानी में ऊपर आ गई और उन्होंने गेद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए। बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, ''मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखेर दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।'' तो ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

(चिंतन-मनन)

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है। कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है। सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।

क्या है अध्यात्म

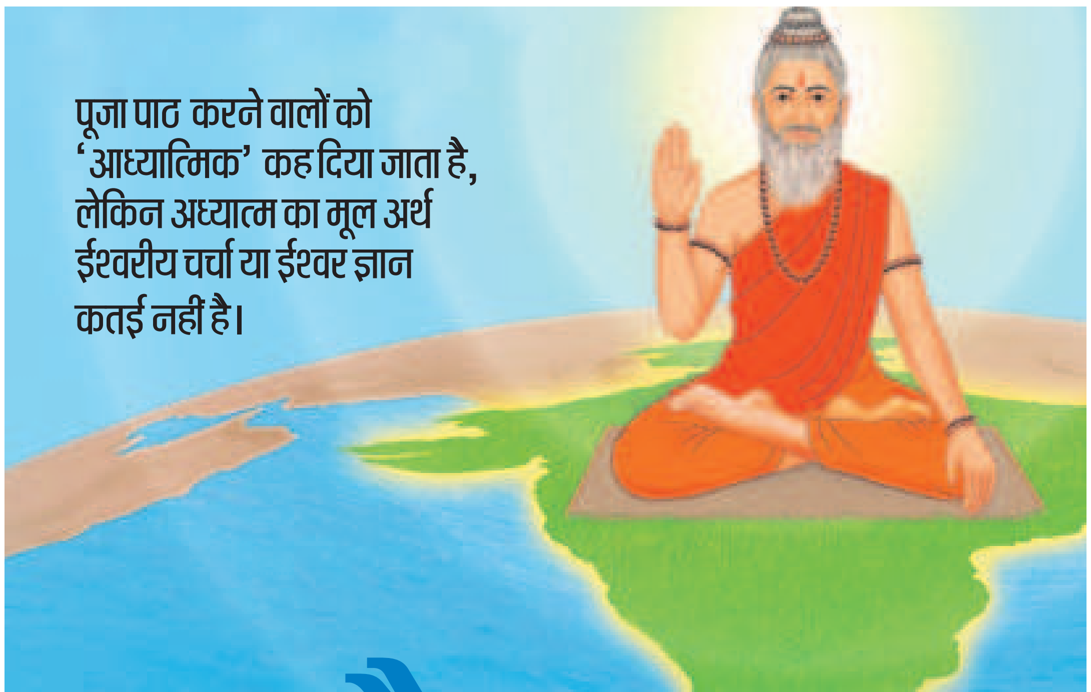

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रहमं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रहम चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रहम है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन- अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रहमाण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

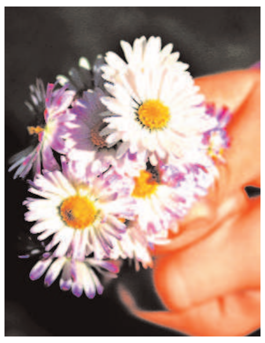

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत:प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत: प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत: अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय: आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत:प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि:स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत:प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत:प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत: अंत:प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन: जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं – मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ऋण वृद्धि मामले में सबसे आगे

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में प्रतिशत ऋण वृद्धि के मामले में सबसे आगे रहा है। बैंकों के तिमाही आंकड़ों के मुताबिक बीओएम का जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही में सकल अग्रिम 28.62 प्रतिशत बढ़कर 1,48,216 करोड़ रुपए हो गया। उसके बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिशत वृद्धि दर 21.54 प्रतिशत रही और इसने तिमाही में 7,52,469 करोड़ रुपए के कर्ज आवंटित किए। तीसरे स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रहा जिसकी ऋण वृद्धि दर 18.15 प्रतिशत रही और उसने कुल 25,47,390 करोड़ रुपए के कर्ज दिए। दूसरी तिमाही में खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई (आरएएम) कर्जों के संदर्भ में भी बीओएम ने सर्वाधिक 22.31 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा 19.53 प्रतिशत और एसबीआई 16.51 प्रतिशत की दर से बढ़े। जहां तक कम लागत वाली चालू खाता बचत खाता जमाओं का सवाल है तो बीओएम ने 56.27 प्रतिशत की सर्वाधिक वृद्धि दर हासिल की। उसके बाद केनरा बैंक 50.99 प्रतिशत वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर रहा। लाभ कमाने के प्रमुख संकेतक माने जाने वाले शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) के मामले में बीओएम और एसबीआई दोनों ने 3.55 प्रतिशत की दर हासिल की। उनके बाद बैंक ऑफ इंडिया 3.49 प्रतिशत के साथ दूसरे और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 3.44 प्रतिशत एनआईएम के साथ तीसरे स्थान पर रहा। तिमाही आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के मोर्चे पर बीओएम का प्रदर्शन कुल अग्रिम का 3.40 प्रतिशत रहा है जबकि एसबीआई का सकल एनपीए उसके कुल अग्रिम का 3.52 प्रतिशत रहा। इन दोनों बैंकों का शुद्ध एनपीए इस तिमाही में क्रमशः 0.68 प्रतिशत और 0.80 प्रतिशत रहा है।

एनएफएसए के बाद से प्रति व्यक्ति आय 33.4 प्रतिशत बढ़ीः केन्द्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लागू होने के बाद से भारत में प्रति व्यक्ति आय में वास्तविक रूप से 33.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर एक हलफनामे में दावा किया कि लोगों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि से बड़ी संख्या में परिवार उच्च आय वर्ग में आ गये हैं। केन्द्र ने कहा है` कि पिछले आठ वर्षों के दौरान, एनएफएसए के लागू होने के बाद से भारत में प्रति व्यक्ति आय में 33.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिससे बड़ी संख्या में परिवार उच्च आय वर्ग में आ गए हैं और वे उतने असुरक्षित नहीं रहे जितने वे 2013-14 में थे। हलफनामा प्रवासी श्रमिकों के लिए कल्याणकारी कदमों के अनुरोध वाली याचिका के जवाब में दायर किया गया। खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार ने 10 सितंबर, 2013 को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को अधिसूचित किया था। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का उल्लेख करते हुए केंद्र ने कहा कि ग्रामीण लोगों के लिए 75 प्रतिशत और शहरी आबादी के लिए 50 प्रतिशत की ऊपरी सीमा में काफी कमी आई है, जिन्हें 2013-14 में कमजोर श्रेणी में माना जाता था। उसने कहा कि एनएफएसए में अपात्र परिवारों को बाहर न करने से केंद्र सरकार पर सब्सिडी का बोझ बढ़ जाता है। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को यह भी बताया कि एनएफएसए के तहत पिछले आठ वर्षों में लगभग 4.7 करोड़ राशन कार्ड जोड़े गए हैं। एनएफएसए के तहत समग्र राष्ट्रीय सीमा 81.4 करोड़ लाभार्थियों की है और कुछ राज्यों को अभी अपने राज्य की सीमा तक पहुंचना बाकी है। 31 अगस्त को वास्तविक राष्ट्रीय कवरेज लगभग 79.8 करोड़ है।

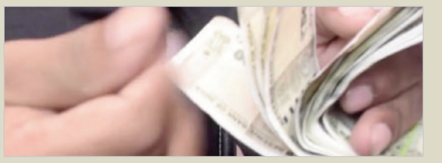

महंगाई के आंकड़े, कपंनियों के तिमाही नतीजे देंगे बाजार को दिशा

विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख की भी अहम भूमिका रहेगी

मुंबई ।

अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के आक्रामक रुख में नरमी आने की उम्मीद में बीते सप्ताह 1.4 प्रतिशत की बढ़त पर रहे शेयर बाजार इस सप्ताह दिशा निर्धारित करने में खुदरा एवं थोक महंगाई के आंकड़े, कपंनियों के तिमाही नतीजे और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख की अहम भूमिका होगी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह अक्टूबर की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसके साथ ही आखिरी बैच में कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे भी आएंगे। इस सप्ताह इनका असर बाजार पर देखने को मिलेगा। इसी तरह रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के उस बयान पर भी इस सप्ताह बाजार की प्रतिक्रिया आएगी, जिसमें उन्होंने कहा है कि अक्टूबर में खुदरा महंगाई की दर सात प्रतिशत से कम होगी। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार जारी मजबूत निवेश धारणा की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विदेशी संस्थागत निवेश्कों (एफआईआई) ने नवंबर में अबतक कुल 84,048.44 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 71,558.70 करोड़ रुपए की बिकवाली की है, जिससे उनका निवेश 12,489.74 करोड़ रुपए रहा है। वहीं इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा कमजोर रही है। उन्होंने बाजार में कुल 50,810.78 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 56,455.65 करोड़ रुपए निकाल लिए, जिससे वह 5,644.87 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे।

सेम्बकॉर्प 2,780 करोड़ में वेक्टर ग्रीन एनर्जी का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली ।

सेम्बकॉर्प भारत में अपने नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार को बढ़ाने के लिए 2,780 करोड़ रुपए में वेक्टर ग्रीन एनर्जी का अधिग्रहण करेगी। सेम्बकॉर्प ने रविवार को एक बयान में इस अधिग्रहण सौदे की जानकारी देते हुए कहा कि यह सौदा संपन्न होने के बाद उसकी सकल नवीकरणीय ऊर्जा की कुल क्षमता बढ़कर 8.5 गीगावाट हो जाएगी। कंपनी ने वर्ष 2025 तक 10 गीगावाट की सकल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। सिंगापुर स्थित सेम्बकॉर्प की भारतीय इकाई सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा लिमिटेड ने वेक्टर ग्रीन एनर्जी में 100 फीसदी हिस्सेदारी अधिग्रहण करने के लिए इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फंड-2 के साथ एक करार : किया है। कंपनी ने कहा कि इस सौदे का अनुमानित मूल्य करीब 2,780 करोड़ रुपए है। वेक्टर ग्रीन देश के 13 राज्यों में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन गतिविधियों से जुड़ी हुई है। इसके अधिग्रहण के बाद सेम्बकॉर्प की भारतीय इकाई की क्षमता बढ़कर तीन गीगावाट हो जाएगी।

भारत-अमेरिका व्यापार 2030 तक 600 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमानः गोयल

मुंबई । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2030 तक 500 से 600 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा समय में करीब 175 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार होता है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत 14 सदस्यीय भारत-प्रशांत आर्थिक समृद्धि प्रारूप (आईपीईएफ) के व्यापार स्तंभ का हिस्सा बनेगा। गोयल ने कहा कि यह इस पर निर्भर करेगा कि बदले में भारत को क्या मिलेगा। उन्होंने हाली ही में एक समिट के दौरान यह बात कही। आईपीईएफ के तहत 13 सदस्य देश व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था जैसे सभी चार विषयों पर एक साथ हैं लेकिन भारत ने अब तक व्यापार स्तंभ से बाहर रहने का विकल्प चुना हुआ है और अन्य तीन विषयों पर वह इस समूह में शामिल है। गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध लगातार सुधर और मजबूत हो रहे हैं। आज हमारा लगभग 175 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है। मेरा मानना है कि आने वाले सात-आठ वर्षों में यह 500 से 600 अरब डॉलर का हो जाएगा जबकि हमारा वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात दो हजार अरब डॉलर का हो जाएगा।

ब्रेजा कार होगी फैक्ट्री फिटेड सीएनजी के साथ लॉन्च

-ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आने वाली पहली सीएनजी एसयूवी

नई दिल्ली.

मारुति कंपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी मारुति ब्रेजा कार को फैक्ट्री फिटेड सीएनजी के साथ लॉन्च करने वाली है। इसे हाल ही में एक डीलर स्टॉकयार्ड में स्पॉट किया गया। कंपनी जल्द ही इस कार के सीएनजी मॉडल को बाजार में उतारने जा रही है।इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि इसे जल्द ही लॉन्च किया जा सकता है।

ब्रेज़ा ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आने वाली पहली सीएनजी एसयूवी होगी।मौजूदा पेट्रोल से चलने वाले ब्रेजा के सभी वेरिएंट में फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट मिलेगी.ब्रेज़ा सीएनजी को 7 वेरिएंट्स- सीएनजी एलएक्सआई 5एमटी, सीएनजी वीएक्सआई 5एमटी/6एटी, सीएनजी जेडएक्सआई 5एमटी/6एटी और सीएनजी जेडएक्सआई 5एमटी/6टी में उपलब्ध कराया जाएगा।फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी किट के साथ बूट स्पेस से समझौता किया गया है।नई मारुति ब्रेज़ा सीएनजी में अर्टिगा सीएनजी के साथ मकैनिज्म शेयर करने की संभावना है। ब्रेज़ा सीएनजी 1.5-लीटर के15सी पेट्रोल इंजन के साथ सुजुकी की स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक से लैस होगी।इसे सीएनजी किट से जोड़ा जाएगा।पावरट्रेन 87बीएचपी और 122एनएम का टार्क पैदा करता है।पेट्रोल मोटर 101बीएचपी और 137 एनएम का टार्क जेनेरेट करता है। सुविधाओं के संदर्भ में, एसयूवी को 9-इंच स्मार्टप्ले प्रो + टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऐप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो, वायरलेस चार्जिंग, एचयूडी, कनेक्टेड कार तकनीक, एक इलेक्ट्रिक सनरूफ, एक 360 डिग्री पार्किंग कैमरा, ईएसपी और 6 एयरबैग मिलते हैं। बता दें कि कॉम्पैक्ट एसयूवी मारुति ब्रेजा को जून 2022 में लॉन्च किया गया था। इस कार की कीमत 7.99 लाख रुपये से 13.96 लाख रुपये के बीच है। यह सिर्फ सिंगल पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध है। ब्रेजा सीएनजी से लगभग 25-30केएम/केजी का माइलेज देने की उम्मीद है, क्योंकि ईर्टिगा सीएनजी में 26.08 केएम/केजी तक अराई प्रमाणित माइलेज देने का दावा किया गया है।ब्रेजा पेट्रोल एटी के साथ 19.80केएमपीएल की अराई प्रमाणित माइलेज और एमटी के साथ 20.15केएमपीएल देता है.नई मारुति ब्रेज़ा कई आधुनिक फीचर्स से लैस है, जो सीएनजी वेरियंट में पेश दिए जाने की संभावना है।

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में बाजार में 19,000 करोड़ का निवेश किया

- सितंबर में विदेशी निवेशकों ने 7,624 करोड़ और अक्टूबर में आठ करोड़ की निकासी की थी

नई दिल्ली ।

विदेश निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में नवंबर महीने में अब तक करीब 19,000 करोड़ रुपए निवेश किए हैं जिसके पीछे अमेरिका में मुद्रास्फीति नरम पड़ने और डॉलर की मजबूती कम होने का हाथ रहा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में विदेशी निवेशकों के अनुकूल रुख रहने के पहले लगातार दो महीनों तक निकासी का दौर देखा गया था। सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 7,624 करोड़ रुपए और अक्टूबर में आठ करोड़ रुपए की निकासी की थी। उसके पहले अगस्त में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 51,200 करोड़ रुपए और जुलाई में करीब 5,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। हालांकि उसके पहले अक्टूबर 2021 से लेकर जून 2022 के दौरान लगातार नौ महीनों तक विदेशी निवेशक बिकवाल बने हुए थे। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि एफपीआई आने वाले दिनों में भी खरीदारी का सिलसिला जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी का रुख रहने और डॉलर एवं बॉन्ड प्रतिफल घटने से विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों के प्रति दिलचस्पी दिखा सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि विदेशी निवेशकों ने एक नवंबर से लेकर 11 नवंबर के दौरान कुल 18,979 करोड़ रुपए का निवेश भारतीय इक्विटी बाजारों में किया है। वर्ष 2022 में अब तक विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार से निकासी 1.5 लाख करोड़ रुपए रही है। उन्होंने विदेशी निवेशकों के मौजूदा रुख के लिए मुद्रास्फीति में नरमी, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल कम होने और डॉलर की मजबूती दर्शाने वाले डॉलर सूचकांक में गिरावट को जिम्मेदार बताया। बाजार विशेषज्ञ का कहना है कि हाल के दिनों में इक्विटी बाजारों के तेजी पकड़ने से विदेशी निवेशकों ने भी संभावित रिटर्न की उम्मीद में इसका हिस्सा बनना पसंद किया है। हालांकि विदेशी निवेशकों ने नवंबर में अब तक भारतीय ऋण बाजार से 2,784 करोड़ रुपए की निकासी भी की है।

एफटीएक्स में फंड का अभाव होने से कारोबार ठप, जांच शुरू

न्यूयॉर्क । क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज एफटीएक्स ने खातों तक अनधिकृत पहुंच होने से फंड का अभाव होने से कारोबार या निकासी का विकल्प बंद करने के साथ ही दिवाला प्रक्रिया से बचने की अर्जी लगा दी है। एफटीएक्स के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जॉन रे कहा कि एफटीएक्स अपने ग्राहकों को मंच पर क्रिप्टोकरेंसी के कारोबार या फंड निकासी की सुविधा बंद कर रहा है। ग्राहकों की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। कंपनी के वकील ने कहा कि एफटीएक्स कानूनी एजेंसियों एवं नियामक संस्थाओं के साथ ही सहयोग कर रही है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि एफटीएक्स के खातों तक अनधिकृत पहुंच होने से कितनी राशि खतरे में आई है लेकिन विश्लेषक फर्म एलिप्टिक का मानना है कि एक्सचेंज से 47.7 करोड़ डॉलर की बड़ी राशि गायब हो चुकी है। इस बारे में सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि कहीं एफटीएक्स के खातों की हैकिंग तो नहीं हो गई थी। इसके अलावा किसी भीतरी शख्स के ही इस गड़बड़ी में शामिल होने की भी आशंका जताई जा रही है। महज दो हफ्ते पहले तक एफटीएक्स दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज था। लेकिन कुछ दिनों में ही इसके परिसंपत्ति आकार में भारी गिरावट आई और शुक्रवार को इसके संस्थापक एवं सीईओ सैम बैंकमैन-फ्राइड ने इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही एक्सचेंज ने दिवाला प्रक्रिया से बचने की अर्जी भी लगा दी है। इसने अपनी परिसंपत्तियों का मूल्य 10 अरब डॉलर से लेकर 50 अरब डॉलर तक लगाया है।

प्लास्टिक की बेकार बोतलों से बने कपड़े की वर्दी पहनेंगे आईओसी कर्मचारी

- कंपनी ने एक समारोह में विशेष रूप से डिज़ाइन हरी वर्दी का शुभारंभ किया

नई दिल्ली ।

प्लास्टिक के बेकार बोतलों के कचड़े से पॉलिएस्टर का कपड़ा बनाए जाने की शुरूआत हुई है। इसी कपड़े से वर्दी बनाई जा रही है। जिसे देश की महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर काम करने वाले और इंडेन गैस के डिस्ट्रीब्यूटरों के यहां एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी करने वाले कर्मचारी पहनेंगे। केंद्रीय सरकार की महारत्न कंपनी इंडियन ऑयल (आईओसी) के अध्यक्ष एसएम वैद्य ने इस अभियान की शुरूआत की है। कंपनी ने अनबॉटल्ड - टुवड्र्स ए ग्रीनर फ्यूचर नामक एक समारोह में इस विशेष रूप से डिज़ाइन की गई एक विशेष टिकाऊ और हरी वर्दी का शुभारंभ किया। इसे कंपनी के करीब तीन लाख फ्यूल स्टेशन अटेंडेंट और इंडेन एलपीजी गैस डिलीवरी कर्मियों के लिए बनाया गया है। इंडियन ऑयल से मिली सूचना के मुताबिक इन यूनिफॉर्म के लिए ड्रेस मटेरियल इस्तेमाल किए गए और फेंके गए पीईटी बोतलों से बनाए गए हैं। इन बोतलों को प्रोसेस कर पुनर्नवीनीकरण पॉलिएस्टर निकाला गया। उसी पॉलिएस्टर धागे से ये कपड़े बुने गए। अब इसी कपड़ों से इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंपों और इंडेन गैस स्टेशनों के करीब 3 लाख फ्यूल स्टेशन अटेंडेंट और इंडेन एलपीजी गैस डिलीवरी कर्मियों के लिए वर्दी बनाई गई है। आईओसी के अध्यक्ष वैद्य का कहना है कि इस पहल से लगभग 405 टन पीईटी बोतलों की रिसाइकिलिंग हो सकेगी। यह सालाना 20 मिलियन से अधिक बोतलों की भरपाई के बराबर है। हर साल करीब आठ मिलियन टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में चला जाता है। इससे हमारे समुद्री इकोसिस्टम में करीब 150 मिलियन टन का प्रसार होता है। यदि प्लास्टिक कचरे के बढ़ने की यही गति बरकरार रही तो सन 2050 तक, समुद्र में मछली से ज्यादा प्लास्टिक होगा। प्लास्टिक की बोतलों को कपड़े में बदलना इस बात का एक सुंदर उदाहरण है कि कैसे समस्याओं का परिश्रम से निपटने से नए अवसरों के द्वार खुलते हैं। इंडियन ऑयल के इस अभियान को बॉलीवुड अभिनेत्री एवं पर्यावरण कार्यकर्ता भूमि पेंडेकर जुड़ी हैं। उन्होंने इस विशेष यूनिफार्म के लॉन्च कार्यक्रम में शिरकत भी की।

सरसों, सोयाबीन और अन्य तेल हुए महंगे

नई दिल्ली ।

सर्दी की मांग आने और आपूर्ति घटने की वजह से दिल्ली तेल तिलहन बाजार में शनिवार को सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन, बिनौला, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन कीमतों में तेजी देखी गई। निर्यात मांग होने से तिल तेल के भाव भी सुधार के साथ बंद हुए। कारोबारी सूत्रों ने कहा कि विदेशों से आयात मांग होने की वजह से तिल तेल के भाव में पर्याप्त सुधार आया। किसानों ने पिछले साल अगस्त में सोयाबीन लगभग 10,000 रुपए क्विंटल के भाव पर बेचा था जो इस बार 5,500 5,600 रुपए क्विंटल के भाव पर बिक रहा है। हालांकि यह कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक ही है पर पिछले साल के भाव के मुकाबले कम है। इस बार किसानों ने बीज भी महंगा खरीदा था जिसकी वजह से किसान कम भाव में बिकवाली करने से बच रहे हैं। इस वजह से सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल तिलहन कीमतों में सुधार आया। सोयाबीन तेल संयंत्र वालों की पाईपलाइन खाली होने से भी सोयाबीन तेल तिलहन कीमतों में सुधार है। सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल मामलों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार को जोरदार प्रयास करने होंगे और इसके लिए सबसे अहम है कि खाद्यतेलों का वायदा कारोबार न खोला जाए। इससे केवल सट्टेबाजी को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 के अप्रैल मई महीने में जब आयातित तेलों की भारी कमी हुई थी तो देशी तेल तिलहनों की मदद से इस कमी को पूरा करने में सफलता मिली थी और उस वक्त खाद्य तेलों का वायदा कारोबार भी बंद था।

दवा कंपनी इली लिली को 15 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ट्विटर पर ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन के जरिए कमाई करने की सोच रहे थे लेकिन यह दांव उनके लिए सिरदर्द बन गया है। नए सब्सक्रिप्शन के रोलआउट के बाद माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म में वेरिफाइड ब्लू टिक वाले फर्जी अकाउंट्स में भारी वृद्धि देखी जा रही है। 8 डॉलर देकर कई यूजर्स ने फर्जी अकाउंट्स बना लिए। मामला इंसुलिन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज दवा कंपनी इली लिली से जुड़ा है। ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन के चक्कर में इली लिली को 15 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। किसी यूजर ने 8 डॉलर देकर इली लिली के नाम पर ब्लू टिक ले ली। इस फेक अकाउंट से ट्वीट कर दिया कि अब इंसुलिन फ्री में मिलेगी। इसके बाद शुक्रवार को इली लिली के मार्केट कैप में 15 अरब डॉलर की गिरावट आ गई। लिली पेड की तरफ से ट्वीट कर माफी मांगी गई है। कंपनी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर आईडी से ट्वीट करते हुए कहा कि हम उन लोगों से माफी चाहते हैं जिन्हें एक नकली लिली अकाउंट से भ्रामक मैसेज दिया गया है। हमारा ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट @ लिलीपेड है। हाल ही में ट्विटर पर जीसस क्रिस्ट को भी वेरिफाइड किया गया है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

ब्रेंट क्रूड 95.99 और डब्ल्यूटीआई 88.96 डॉलर प्रति बैरल

DIESEL
PETROL
With 10% Ethanol

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। ब्रेंट क्रूड 95.99 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 88.96 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 0.60 रुपए महंगा होकर 103.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.59 रुपए बढ़कर 96.55 रुपए पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 0.31 रुपए बढ़कर 106.27 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.80 रुपए पहुंच गया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब में पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्का इजाफा दिख रहा है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमत करीब 0.70 रुपए नीचे आई है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

टी20 विश्व कप फाइनल : पाकिस्तान को हराकर इंग्लैंड बना विश्व विजेता, इतिहास रचने से चुके बाबर आजम

एडीलेड (एजेंसी)।

CHAMPIONS
ICC MEN'S T20 WORLD CUP AUSTRALIA 2022

टी20 विश्व कप का नया चैंपियन इंग्लैंड है। इंग्लैंड ने आज फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर यह खिताब अपने नाम किया है। इंग्लैंड दूसरी बार यह खिताब जीतने में कामयाब रहा है। इंग्लैंड के अलावा वेस्टइंडीज की टीम ने दो बार ञ्20 विश्वकप का खिताब जीता है। इंग्लैंड ने 2010 में फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर यह खिताब जीता था। इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पाकिस्तान ने 8 विकेट के नुकसान पर 137 रनों का स्कोर खड़ा किया। जीत के लिए इंग्लैंड को 138 रन बनाने थे। इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर इसे हासिल कर लिया।

हालांकि, 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पिछले मैच के हीरो एलेक्स हेल्स आज 1 रन के स्कोर पर ही शाहीन अफरीदी के शिकार हुए। बाद में कप्तान जॉस बटलर ने कुछ शानदार स्टोक जरूर खेली। लेकिन वह भी हरीश रउफ के शिकार बने। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे बेन स्टोक्स ने आज एक बार फिर से इंग्लैंड के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुए। 2019 के 50 ओवर के विश्व कप में इंग्लैंड को विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले बेन स्टोक्स में आज भी शानदार पारी खेलते हुए अपनी टीम को जीत दिलवाई। दबाव की परिस्थिति में भी बेन स्टोक्स ने एक छोड़ को संभाले रखा और अंततः टीम को विश्व विजेता बना कर ही वापस लौटे।

बेन स्टोक्स ने ने 49 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली जिसमें 5 चौके और 1 छक्के शामिल हैं। मैच के दौरान पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका शाहीन अफरीदी का चोटिल होना भी रहा। शाहीन अफरीदी कैच लेने के चक्कर में चोटिल हुए थे। हालांकि, पाकिस्तान के गेंदबाजों ने भी शानदार और सधी हुई गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को एक वक्त पर बैकफुट पर ला दिया था। बावजूद इसके इंग्लैंड ने इस मुकाबले को जीतने में सफलता हासिल की है। इससे पहले इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज सैम करन और लेग स्पिनर आदिल राशिद ने पाकिस्तानी बल्लेबाजी लाइनअप को इतने दबाव में ला दिया कि प्रतिद्वंद्वी टीम रविवार को टी20 विश्व कप फाइनल में आठ विकेट पर 137 रन ही बना सकी। इस साल के शुरू में चोट से वापसी करने वाले करन इंग्लैंड के लिये बेहतरीन गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट हासिल कर बड़े मैच में अपनी काबिलियत साबित की।

वहीं राशिद भी पीछे नहीं रहे, उन्होंने मध्य के ओवरों में रन गति पर लगाम कसी जिसमें उन्होंने और करन ने मिलकर 25 डॉट गेंद डाली। राशिद ने अपने शानदार प्रयास से फिर दिखाया कि भारतीय टीम प्रबंधन ने पूरे टूर्नामेंट में युजवेंद्र चहल का इस्तेमाल नहीं कर किस तरह मौका गंवाया। एमसीजी की पिच पर काफी उछाल और तेजी है लेकिन बटलर की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली गेंदबाजी जोड़ी (करन और राशिद) ने इसके विपरीत गेंदबाजी की , दोनों ने अपनी गेंदों की रफ्तार कम की। राशिद ने 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की जबकि करन ने 126 से 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी जिससे पाकिस्तानी बल्लेबाजों के लिये रन जोड़ना मुश्किल हो गया। बाबर आजम (28 गेंद में 32 रन) और मोहम्मद रिजवान (14 गेंद में 15 रन) ने सतर्क शुरूआत की जैसा कि वे पिछले एक साल से करते रहे हैं। करन इंग्लैंड के लिये पूरे टूर्नामेंट में सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं, उन्होंने कोण लेती फुल लेंथ पर रिजवान को बोल्ड किया।

हार से दुखी हुए बाबर आजम, कहा- इंग्लैंड चैंपियन बनने के लायक है

एडिलेड (एजेंसी)।

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर दूसरी बार इस खिताब को अपने नाम किया। पाकिस्तान को आठ विकेट पर 137 रन पर रोकने के बाद इंग्लैंड ने 19 ओवर में पांच विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल किया। इंग्लैंड के लिए हरफनमौला बेन स्टोक्स ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं पाकिस्तान दूसरी बार खिताब जीतने से चूक गया। इससे पहले पाकिस्तान ने 2009 में ट्रॉफी जीती थी, लेकिन अब बाबर आजम की कप्तानी में फिर इसे हासिल करने का मौका मिला तो वह चूक गए।

दिया ये बयान: फाइनल में मिली हार से दुखी बाबर आजम ने माना कि उनकी टीम ने स्कोर कम बनाया। बाबर ने कहा, 'इंग्लैंड को बधाई, वे चैंपियन बनने के लायक हैं और अच्छी तरह से लड़े हैं। हमें यहां घर जैसा महसूस हुआ, हर जगह बहुत अच्छा समर्थन मिला। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हां, हमने पहले दो मैच गंवाए लेकिन आखिरी चार मैचों में हम जिस तरह से आए वह अविश्वसनीय था। मैंने लड़कों से सिर्फ अपना पुराना खेल खेलने को कहा, लेकिन हम 20 रन कम बना पाए और लड़कों ने गेंद से अच्छा संघर्ष किया। हमारी गेंदबाजी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आक्रमणों में से एक है। दुर्भाग्य से शाहीन की चोट ने हमें परेशान कर दिया, लेकिन यह खेल का हिस्सा है।'

'उनकी हार पक्की थी', पाकिस्तान के पस्त होने पर सुनील गावस्कर ने दिया बयान

एडिलेड (एजेंसी)।

पाकिस्तानी खेमा मान रहा है कि अगर शाहीन अफरीदी अपने पूरे 4 ओवर फेंक देते तो शायद वो जीत जाते। लेकिन भारत के पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि भले ही शाहीन शाह अफरीदी ने चार ओवरों का अपना कोटा पूरा कर लिया होता, पाकिस्तान की मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2022 के फाइनल में हार पक्की थी।

हैरी ब्रूक को आउट करने के लिए कैच लेते समय शाहीन को चोट लग गई और वह कुछ देर के लिए बाहर चले गए। वह इंग्लैंड के लक्ष्य का पीछा करते हुए 16वें ओवर में लौटे, लेकिन लियाम लिविंगस्टोन को केवल एक ही गेंद फेंकने के बाद उन्हें फिर लौटना पड़ा। गावस्कर ने माना कि पाकिस्तान 15-20 रन कम था और उनके गेंदबाजों के पास खेलने के लिए पर्याप्त रन नहीं थे। गावस्कर से सवाल किया गया कि क्या शाहीन अफरीदी द्वारा गेंदबाजी ना करने से पाकिस्तान को नुकसान पहुंचा तो उन्होंने जवाब दिया, ÷मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि उनके पास बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। वे लगभग 15-20 रन कम थे। अगर वे 150-155 तक पहुंच जाते तो उनके पास बेहतर मौका होता और उनके गेंदबाजों को थोड़ी राहत मिलती। लेकिन मुझे नहीं लगता कि जिन 10 गेंदों को शाहीन ने नहीं फेंका, उनसे इतना अंतर आया होगा। हो सकता है कि पाकिस्तान को एक और विकेट मिल गया होता, लेकिन फिर भी इंग्लैंड जीत जाता।'

अफगानिस्तान सरकार ने महिला क्रिकेट फिर शुरु करने की मंजूरी दी: आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ने कहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने महिला क्रिकेट बहाल करने को मंजूरी दे दी है। इससे अब यहां महिला क्रिकेटरों के खेलने पर लगी पाबंदी हट जाएगी। वहीं इससे पहले तालिबान के देश पर कब्जा के बाद से ही अन्य खेलों की तरह ही महिला क्रिकेट पर भी रोक लग गयी थी। आईसीसी ने तब देश में क्रिकेट की स्थिति की समीक्षा के लिये एक कार्यकारी दल का गठन भी किया है। बोर्ड को अफगानिस्तान के कार्यकारी दल से ताजा जानकारी मिल गयी है। जिसमें अफगानिस्तान सरकार के प्रतिनिधियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से दोहा में हुई एक मुलाकात की जानकारी थी।

आईसीसी ने कहा कि सरकारी अधिकारी ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता पूरी तरह से आईसीसी के संविधान का सम्मान करने और इसका अनुकरण करने की है जिसमें विशेष रूप से विविधता और समावेशिता शामिल है, ऐसे में अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने अनुसार काम करेगा। कार्यकारी दल के अध्यक्ष इमरान ख्वाजा ने कहा, ''बैठक सकारात्मक रही और सरकारी प्रतिनिधि आईसीसी के संविधान के पूर्ण समर्थन में थे जिसमें सैद्धांतिक रूप से अफगानिस्तान में महिला क्रिकेट की बहाली शामिल है।'' गौरतब है कि अफगानिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों में एक है। अफगानिस्तान की पुरूष टीम ने 2021 और 2022 टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया। साथ ही आईसीसी अंडर-19 वैश्विक प्रतियोगिता के 2027 तक मेजबानों की घोषणा की गयी।

बटलर की नजर में सूर्य कुमार यादव हैं प्लेयर आफ द टूर्नामेंट

मेलबर्न (एजेंसी)।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भारत के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को उनकी नजर में टी20 विश्व कप का 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' बताया। सूर्य ने 189 . 68 की स्ट्राइक रेट से टूर्नामेंट में 239 रन बनाये और वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर है। आईसीसी ने नौ खिलाड़ियों को चुना है जिनमें से किसी एक को यह पुरस्कार दिया जायेगा। इसमें इंग्लैंड के तीन, भारत और पाकिस्तान के दो दो और श्रीलंका तथा जिम्बाब्वे का एक एक खिलाड़ी है।

बटलर ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल से पहले कहा ,''मुझे लगता है कि सूर्यकुमार यादव ने बेखौफ खेल दिखाया। इतने सितारों से भरी टीम का उसका ऐसा प्रदर्शन शानदार रहा।'' इस सूची में विराट कोहली का भी नाम है जिन्होंने छह मैचों में 136 . 40 की स्ट्राइक रेट से सर्वाधिक 296 रन बनाये। बटलर ने अपनी टीम के सैम कुरेन और एलेक्स हेल्स को भी पुरस्कार का प्रबल दावेदार बताया। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा ,'' मुझे लगता है कि शादाब खान को पुरस्कार मिलना चाहिये।'' उन्होंने कहा ,'' उसकी गेंदबाजी शानदार रही और बल्लेबाजी में भी सुधार आया है। उसने तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन किया और उसकी फील्डिंग भी गजब की थी।

प्रो कबड्डी लीग : दिल्ली को हराकर दूसरे नंबर पर पहुंचा पिंक पैंथर्स

पुणे (एजेंसी)।

(ईएमएस)। जयपुर पिंक पैंथर्स वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सत्र में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। पिंक पैंथर्स ने मौजूदा चैंपियन दबंग दिल्ली केसी को चार बार आलआउट करते हुए 25 अंक से हराया। इसी प्रकार पिंक पैंथर्स ने इस मैच में सत्र का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। सत्र के 75वें मैच में जयपुर ने दिल्ली को 57-32 के अंतर से हराया। यह जयपुर की 13 मैचों में आठवीं जीत है। वहीं दिल्ली की टीम को 13 मैचों में सातवीं हार का सामना करना पड़ा है।

पिंक पैंथर्स की ओर से अर्जुन देसवाल 13 और राहुल चौधरी 13 ने सुपर-10 लगाया जबकि डिफेंस में कप्तान सुनील और साहुल ने चार-चार अंक लिए। दिल्ली की ओर विजय मलिक ने 11 अंक एकत्र किये जबकि उसके स्तार रेडर नवीन कुमार केवल 3 अंक ले हासिल कर पाये। राहुल के अलावा देसवाल भी जयपुर के लिए लगातार अंक ले रहे थे।

पहला हाफ 27-13 से जयपुर ने जीता। उसने रेड में 13 और डिफेंस में 9 अंक लिए जबकि दिल्ली को रेड में 7 और डिफेंस में 5 अंक ही मिल पाये। जयपुर को आलआउट के भी चार अंक मिले। ब्रेक के बाद राहुल ने एक और मल्टी अंक हासिल किया। जयपुर ने धीरे-धीरे अपनी लीड बढ़ाकर 33-18 पहुंचा दी। ब्रेक के बाद दिल्ली को पांच जबकि जयपुर को 6 अंक मिले थे।जयपुर ने दिल्ली को चौथी बार आलआउट कर 49-26 की बढ़त के साथ अपनी सातवीं जीत तय की।

अब टीम इंडिया में होंगे बदलाव, टी20 और एकदिवसीय में अलग-अलग कप्तान होंगे

मुबई (एजेंसी)।

टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में मिली हार के बाद अब भारतीय टीम में नये बदलाव होने तय है। ऐसे में अगले साल की शुरुआत में टीम नये रुप में दिखेगी। टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में टीम की करारी हार के बाद से ही क्रिकेट बोर्ड पर भारी दबाव है। इसलिए नये साल में टी20 और एक-टेस्ट टीम के अलग-अलग कप्तान बनाये जाएंगे।

इस प्रकार जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारत की एकदिवसीय और टी20 टीम अलग-अलग कप्तानों के साथ नजर आयेगी। भारतीय टीम को जनवरी में श्रीलंका से तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इसमें रोहित शर्मा जहां एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे वहीं हार्दिक पंड्या टी20 टीम के कप्तान होंगे। हार्दिक इससे पहले न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टी20 टीम की कप्तानी करेंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'अगल-अलग कप्तान बनाने पर विचार चल रहा है। इस दौरान यह भी देखा जाएगा कि यह नीति सही रहेगी या नहीं। इससे हालांकि यह एक कप्तान पर ही पड़ने वाला काम का बोझ कम होगा। हमें टी20 के लिए नए दृष्टिकोण की जरूरत है और साथ ही 2023 में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए निरंतरता की भी जरुरत है। हम इसपर जनवरी में बैठकर ही कोई फैसला लेंगे।

बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, इसे रोहित को कप्तानी से हटाये जाने के तौर पर नहीं देखना चाहिये। यह रोहित के लिए भविष्य और काम के बोझ को लेकर है। रोहित की उम्र भी बढ़ रही है। इसलिए हमें लगता है कि टी20 टीम के लिए नई सोच और नई ऊर्जा की जरूरत है।

इस बैठक को लेकर बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि हम उन्हें बैठक के लिए बुला रहे हैं। सेमीफाइनल में जो हुआ, उसे पचा पाना संभव नहीं है। इससे यह तो साफ है कि बदलाव जरुरी है पर कोई भी बदलाव कप्तान और कोच की बात सुने बिना नहीं होगा। पूर्व कप्तान विराट और वर्तमान कप्तान रोहित के विचार लिए जाएंगे और इसके बाद ही भविष्य की टी20 टीम के बारे में कोई फैसला होगा.

गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम 30.6 साल की औसत उम्र के साथ टूर्नामेंट की सबसे उम्रदराज टीमों में से एक थी। इस टीम में 37 साल के दिनेश कार्तिक सबसे अधिकि उम्र के खिलाड़ी थे और अब उनका बाहर होना तय है। वहीं आर अश्विन 37, रोहित शर्मा (35), विराट कोहली (33) और मोहम्मद शमी 34 भी शायद ही भविष्य की टी20 में फिट हो पायें। .

भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में श्रीलंका से घरेलू धरती पर एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत दौरे पर आएगी। वहीं माना जा रहा है कि हार्दिक पंड्या श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से ही स्थायी तौर पर टी20 टीम के कप्तान बन सकते हैं जबकि रोहित एकदिवसीय और टेस्ट की कप्तानी करते रहेंगे।

मशहूर फुटबॉल क्लब लिवरपूल एफसी को खरीद सकते हैं मुकेश अंबानी

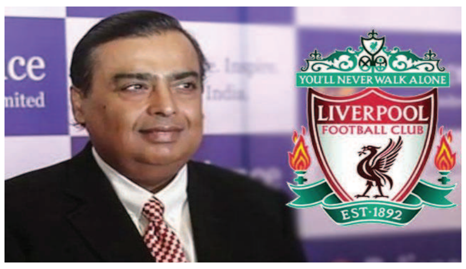

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी दुनिया के मशहूर इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल एफसी को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब का मौजूदा मालिक फेनवे स्पोर्टस ग्रुप (एफएसजी) इसे बेचना चाहता है जिसने अक्टूबर 2010 में मर्सीसाइड क्लब खरीदा था।

एक रिपोर्ट के अनुसार एफएसजी अपने क्लब को चार अरब ब्रिटिश पाउंड में बेचने का इच्छुक है। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अंबानी ने क्लब के बारे में जानकारी ली है। 'फोर्ब्स' की रेटिंग में दुनिया के आठवें सबसे रईस अंबानी के मुंबई मुख्यालय और कंपनी से जुड़े लोग इसकी पुष्टि नहीं कर सके।

एफएसजी के बयान के अनुसार, 'एफएसजी को लिवरपूल में शेयरधारक बनने के लिए तीसरे पक्षों से दिलचस्पी मिली है। एफएसजी पहले ही कह चुका है कि सही शर्तों के अंतर्गत ही हम नए शेयरधारकों पर विचार करेंगे कि यह लिवरपूल के हित में होगा या नहीं।' एफएसजी के अंतर्गत जर्गेन क्लोप की टीम को काफी सफलता मिली है जिसमें पिछले कुछ वर्षों में प्रीमियर लीग खिताब, चैम्पियंस लीग, एफए कप, काराबाओ कप और यूरोपीय सुपर कप जीतना शामिल है।

अमरीका और खाड़ी के देश भी क्लब के अधिग्रहण में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अंबानी की कंपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट टीम मुंबई इंडियंस की मालिक है और इंडियन सुपर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने के अलावा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की व्यावसायिक भागीदार भी है।

सानिया और शोएब लायेंगे टॉक शो

लाहौर । टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने तलाक की अटकलों के बीच ही एक टॉक शो लाने की घोषणा की है। इस नए कार्यक्रम का नाम 'मिर्जा मलिक शो' रखा है। इसका पोस्टर भी काफी वायरल हो रहा है। यह शो पाकिस्तानी चैनल पर आने वाला है। पिछले कुछ दिनों से इन दोनो के बीच सब-कुछ ठीक नहीं होने की खबरें आ रहीं थीं। वहीं अब ये दोनो एक कार्यक्रम पेश करने जा रहे हैं जिससे लोग इनके रिश्ते को लेकर संशय में हैं। वहीं हाल में स्थानीय मीडिय के अलावा यूएई की मीडिया में यह खबरें तेजी से आ रही थीं कि सानिया और शोएब मलिक ने आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया है। यह खबरें अभी भी सुर्खियों में बनी हुई हैं दोनों के बीच रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे। यह भी कहा गया कि शोएब ने सानिया को एक शो के दौरान धोखा दिया था। तभी से रिश्तों में दूरियां आ गई थी हालांकि अभी सानिया और शोएब की ओर से इस मामले में कोई बयान सामने नहीं आया है।

भारतीय महिला टीम ने एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला टीम ने दक्षिण कोरिया के डेगू में एशियाई एयरगन चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में रविवार को स्वर्ण पदक जीता। तिलोत्तमा सेन, रमिता और नैन्सी की टीम ने 10 मीटर एयर राइफल टीम ने महिला जूनियर प्रतियोगिता में कोरिया को 16-2 से इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हराकर एक और स्वर्ण जीता। इससे पहले मेहुली घोष और तिलोत्तमा ने शनिवार को टूर्नामेंट के 15वें सत्र में भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते थे।

समर्थ लिस्ट-ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने 9वें भारतीय क्रिकेटर बने -तेंदुलकर और सहवाग जैसे खिलाड़ियों के क्लब में मिला प्रवेश

नई दिल्ली । युवा क्रिकेटर समर्थ व्यास ने विजय हजारे ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया है। इसी के साथ ही समर्थ ने सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ियों के एक खास क्लब में अपनी जगह बना ली है। समर्थ ने मणिपुर के खिलाफ 131 गेंदों पर 200 रन बनाए जिसमें 20 चौके और 9 छक्के शामिल थे। इसी के साथ ही वह लिस्ट-ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले 9वें भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और केवी कौशल ने लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाये हैं। समर्थ के लिस्ट-ए करियर की बात करें, तो उन्होंने इस मुकाबले से पहले तक 28 पारियों में 39 की औसत से 983 रन बनाए थे।

वहीं समर्थ की इस पारी से सौराष्ट्र ने मणिपुर के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 397 रन बनाये। सौराष्ट्र की ओर से समर्थ व्यास और हार्विक देसाई ने पारी शुरु की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 282 रन की बड़ी साझेदारी बनायी। हार्दिक ने 107 गेंद पर 100 रन बनाए। वहीं समर्थ ने 130 गेंद पर दोहरा शतक लगाया। यह उनके लिस्ट-ए करियर की सबसे बड़ी पारी है। समर्थ ने विजय हजारे ट्रॉफी के इस सत्र की अच्छी शुरुआत की है। यह उनका दूसरा मैच है. पहले मुकाबले में उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ 64 गेंद पर 61 रन बनाए थे।

गुजरात में पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग बना प्रमुख चुनावी मुद्दा

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनकर उभरी है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों ने अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सत्ता में आने पर इसे लागू करने का वादा किया है। विपक्षी दल इस वादे के साथ उन लाखों सरकारी कर्मचारियों का समर्थन हासिल करना चाहते हैं, जो नई पेंशन योजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ हैं। गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में, एक और पांच दिसंबर को मतदान होना है।

गुजरात सरकार ने एक अप्रैल, 2005 को या उसके बाद नौकरी शुरू करने वाले कर्मचारियों के लिए नई अंशदायी पेंशन योजना शुरू की थी। इसकी अधिसूचना के अनुसार, यह एनपीएस फंड में कर्मचारियों द्वारा योगदान किए गए मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) के 10 प्रतिशत के बराबर होगी।

केंद्र की योजना के तहत, सरकार 1 अप्रैल, 2019 से कर्मचारी के वेतन और डीए के 10 प्रतिशत योगदान के मुकाबले 14 प्रतिशत का योगदान देती है। गुजरात में कर्मचारियों के विरोध के बाद, राज्य सरकार ने कहा था कि नई पेंशन उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी, जिन्होंने अप्रैल 2005 से पहले नौकरी शुरू की थी। सरकार ने फंड में अपने योगदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने का भी वादा किया था।

गुजरात में कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन किया है, क्योंकि उनका मानना है कि नई पेंशन योजना सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हित में नहीं है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने आंदोलन कर रहे कर्मचारियों को आश्वासन दिया है कि नई पेंशन योजना (एनपीएस) को खत्म कर दिया जाएगा और पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी। उन्होंने अपनी बात समझाने के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ (जहां कांग्रेस सत्ता में है) और (आप द्वारा शासित) पंजाब का उदाहरण दिया है।

सरकारी प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की संस्था अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजयसिंह जडेजा ने बताया, “हमने 15 मांगों के साथ एक आंदोलन शुरू किया, जिनमें से पुरानी पेंशन योजना की बहाली और निश्चित वेतन मुद्दे से संबंधित मांगों को स्वीकार नहीं किया गया। सरकार ने एक समिति का गठन किया। उसने कहा कि वह एनपीएस फंड में अपना योगदान बढ़ाएगी, लेकिन कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई।”

लगभग सात लाख सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए दबाव बना रहे हैं, जिनमें वे 70,000 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक शामिल हैं, जिन्होंने 2005 से पहले एक निश्चित वेतन पर नौकरी शुरू की थी। गुजरात में पुरानी पेंशन की बहाली कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि जो लोग यह दावा कर रहे हैं कि पुरानी पेंशन योजना सरकारी खजाने पर बोझ डालेगी, वे सही नहीं कह रहे हैं क्योंकि वित्तीय प्रबंधन के जरिए इसे बहाल किया जा सकता है।

गुजरात चुनाव से पहले पास कन्वीनर नितिन घेलाणी समेत 40 कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

सूरत।

गुजरात चुनाव की घोषणा के बाद भाजपा, कांग्रेस और आप समेत राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने नामांकन भरना शुरू कर दिया है। कई जगह सीटिंग विधायकों और प्रबल दावेदारों के टिकट कटने से राजनीतिक दलों में नाराजगी भी है। सूरत की कई सीटों पर भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। जिसे देखते हुए भाजपा ने नाराज नेताओं को मनाने की कवायद तेज कर दी है। इन सबके बीच आज सूरत में पास कन्वीनर नितिन घेलाणी समेत 40 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भगवा धारण कर लिया। नितिन घेलाणी भावनगर पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के कन्वीनर हैं। आज सूरत के उधना स्थित कमलम में गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की मौजूदगी में नितिन घेलाणी समेत 40 जितने कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन कर ली। ये भावनगर से भाजपा में शामिल होने के लिए सूरत आए थे। बता दें कि सूरत से पास नेता अल्पेश कथीरिया और धार्मिक मालविया आप में शामिल हो चुके हैं। आप ने अल्पेश कथीरिया को सूरत के वराछा से उम्मीदवार बनाया है। वराछा विधानसभा सीट पर अल्पेश कथीरिया का मुकाबला भाजपा के कुमार कानाणी से होगा।

पाल आंबलिया को टिकट ना मिलने से कांग्रेस का किसान सेल नाराज

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव को लेकर सियासी दलों ने भले ही प्रचार तेज कर दिया हो, लेकिन कई सीटों पर आंतरिक कलह का सामना करना पड़ रहा है। खासकर भाजपा और कांग्रेस ऐसी स्थिति ज्यादा जूझ रही हैं। कांग्रेस ने पाल आंबलिया को टिकट नहीं दी है। पाल आंबलिया ने द्वारका सीट से दावेदारी की थी, लेकिन कांग्रेस ने मूलु कंडोरिया को चुनाव मैदान में उतार दिया है। पाल आंबलिया को टिकट नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस के किसान सेल ने सोशल मीडिया पर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। किसान सेल ने पाल आंबलिया को टिकट देने की कांग्रेस से मांग की है। केवल द्वारका ही नहीं कई अन्य विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। अहमदाबाद में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने युवा चेहरे को टिकट देने की मांग के साथ प्रदर्शन किया है। उत्तर गुजरात के बायड से विधायक जशु पटेल को रिपीट करने की अशोक गहलोत से मांग की गई है।

वहीं सुरेन्द्रनगर जिले की वढवाण सीट पर कांग्रेस के आयाती उम्मीदवार का कड़ा विरोध किया जा रहा है। रुपए लेकटर टिकट दिए जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सामूहिक इस्तीफा देने की चेतावनी दी है। उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले की 5 सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर कांग्रेस का पेंच फंसा है। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले की धरमपुर सीट पर किशन पटेल और कल्पेश पटेल की दावेदारी ने भी कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। टिकट आवंटन को लेकर कांग्रेस में चल रहे विवाद पार्टी हाईकमांड तक पहुंच गया है और उसने डेमेज कंट्रोल के लिए एक टीम गुजरात भेजी है। दूसरी ओर गुजरात में मौजूद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार नाराज नेता और कार्यकर्ताओं को मनाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल 16 नवंबर को भरेंगे नामांकन, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह रहेंगे मौजूद

अहमदाबाद।

भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 166 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। गुजरात विधानसभा की 182 में से 166 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार घोषित हो चुके हैं, जबकि 16 उम्मीदवारों का ऐलान बाकी है। भाजपा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट से टिकट दिया है। भूपेन्द्र पटेल विधानसभा चुनाव के लिए 16 नवंबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। संभावना है कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रह सकते हैं। गौरतलब है वर्ष 2008 में सीमांकन के बाद घाटलोडिया विधानसभा सीट अस्तित्व में आई थी। वर्ष 2012 में पहली घाटलोडिया विधानसभा सीट पर चुनाव हुआ है। घाटलोडिया सीट पर अब तक हुए दो चुनावों में भाजपा की जीत हुई है। इतना ही नहीं घाटलोडिया से विजेता भाजपा विधायक राज्य के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। वर्ष 2012 में आनंदीबेन पटेल की जीत हुई थी, जबकि 201। में भूपेन्द्र पटेल ने घाटलोडिया सीट से जीत दर्ज की थी। भूपेन्द्र पटेल गुजरात के मौजूदा मुख्यमंत्री हैं और भाजपा चुनाव जीतती है तो भूपेन्द्र पटेल के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की प्रबल संभावना है। गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 1 दिसंबर को 89 सीटों पर और दूसरे चरण में 5 दिसंबर को 93 सीटों पर मतदान होगा। घाटलोडिया सीट पर दूसरे चरण में

मतदान होगा और उसके लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल 16 नवंबर अपना नामांकन पत्र भरेंगे। पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की कल यानी 14 नवंबर को अंतिम तारीख है। जबकि दूसरे चरण के लिए 1। नवंबर तक पर्चा दाखिल किया जा सकेगा। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे हिमाचल प्रदेश के साथ 8 दिसंबर को आएंगे।

गुजरात भाजपा में बगावत, 5 नेताओं ने दी निर्दलीय चुनाव में उतरने की धमकी

अहमदाबाद।

गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा टिकगट नहीं दिए जाने से खफा पार्टी के एक मौजूदा विधायक और 4 पूर्व विधायकों ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान किया जाएगा। भाजपा ने अब तक कुल 182 विधानसभा क्षेत्रों में से 166 क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जा चुके हैं। पार्टी के असंतुष्ट नेताओं ने कहा वे समर्थकों से परामर्श करने के बाद अगला कदम उठाएंगे।

भाजपा के पूर्व विधायक हर्षद वसावा ने नंदोड (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उल्लेखनीय है कि हर्षद वसावा भाजपा की गुजरात इकाई के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने 2002 से 2007 और 2007 से 2012 तक पूर्ववर्ती राजपीपला सीट का प्रतिनिधित्व किया। नर्मदा जिले की नंदोड सीट पर वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। इस सीट से भाजपा ने डॉ दर्शन देशमुख को उतारा है। इस घोषणा से नाखुश हर्षद वसावा ने भाजपा में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और शुक्रवार को नंदोड सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

वसावा ने नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कहा कि यहां असली भाजपा और नकली भाजपा है। हम उन लोगों को बेनकाब करेंगे, जिन्होंने प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया है और नए लोगों को महत्वपूर्ण पद दे दिए। मैंने अपना इस्तीफा पार्टी को भेज दिया है।

इस क्षेत्र के लोग जानते हैं कि मैंने 2002 से 2012 के बीच विधायक के रूप में कितना काम किया है। पड़ोसी वडोदरा जिले में एक मौजूदा और दो पूर्व भाजपा विधायक टिकट न दिए जाने के कारण पार्टी से नाराज हैं। वाघोडिया से छह बार के विधायक मधु श्रीवास्तव ने टिकट नहीं दिए जाने के बाद कहा कि अगर उनके समर्थक चाहते हैं तो वह निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस सीट से अश्विन पटेल को उतारा है।

वडोदरा जिले की पादरा सीट से भाजपा के एक अन्य पूर्व विधायक दिनेश पटेल उर्फ दीनू मामा ने भी कहा है कि वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने इस सीट से चैतन्यसिंह जाला को टिकट दिया है। इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। करजन में भाजपा के पूर्व विधायक सतीश पटेल मौजूदा विधायक अक्षय पटेल को टिकट देने के निर्णय से नाखुश हैं। इस बीच, जूनागढ़ की केशोद सीट से भाजपा के पूर्व विधायक अरविंद लडानी ने शनिवार को घोषणा की कि पार्टी द्वारा मौजूदा विधायक देवभाई मालम को टिकट दिए जाने के कारण वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

स्थिति को संभालने के लिए भाजपा की राज्य इकाई के महासचिव भार्गव भट्ट और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को वडोदरा का दौरा किया और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भट्ट ने विश्वास जताया कि भाजपा वडोदरा की सभी सीट पर जीत हासिल करेगी।

आप के सीएम फेस इसुदान गढवी जामखंभालिया से लड़ेंगे चुनाव

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव में आप के मुख्यमंत्री का चेहरा और राष्ट्रीय महासचिव इसुदान गढ़वी देवभूमि द्वारका जिले की जामखंभालिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि गत 4 नवंबर अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद में पत्रकार परिषद में इसुदान गढवी को गुजरात में आप का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया था। तब केजरीवाल ने दावा किया कि वह केवल सीएम चेहरे का नहीं बल्कि गुजरात के अगले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर रहे हैं। केजरीवाल आज ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा ‘किसान, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों के लिए सालों तक आवाज उठाने वाले ईशुदान गढवी जामखंभालिया से चुनाव लड़ेंगे। भगवान कृष्ण की पावन भूमि से गुजरात को एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा।’ गुजरात विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने का सोमवार को अंतिम दिन है। इससे पहले सूरत में आप को बड़ा झटका लगा है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के कई नेता आज भाजपा में शामिल हो गए। अल्पेश कथीरिया के करीबी विजय मांगुकिया समेत कई कार्यकर्ताओं ने सीआर पाटील की मौजूदगी में भगवा धारण कर लिया। विजय मांगुकिया के अलावा भावनगर पास कन्वीनर नितिन घेलाणी समेत कई कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन कर ली। बता दें कि आप ने अल्पेश कथीरिया को सूरत के वराछा सीट से उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में पास कन्वीनरों के भाजपा में शामिल होने से आप को बड़ा झटका लगा है।

खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल ने कहा- वह किसी भी पार्टी के लिए प्रचार नहीं करेंगे

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे गिनती के दिन रह गए हैं और सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बीच खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल का बड़ा बयान सामने आया है। नरेश पटेल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के लिए प्रचार नहीं करेंगे। उनका कहना है कि भाजपा, कांग्रेस और आप के सभी उम्मीदवार मेरे लिए एक समान हैं। मैं प्रत्येक राजनीतिक दल के राष्ट्रीय प्रमुखों से मिलता रहता हूं, इसलिए मैं किसी भी उम्मीदवार का प्रचार करने नहीं जाऊंगा। राजकोट दक्षिण सीट पर तीनों उम्मीदवार लेउवा पाटीदार समाज के हैं। अब यह लोगों को तय करना है कि वह एक अच्छे उम्मीदवार को वोट दें। रमेश टिलाला को लेकर भी नरेश पटेल ने स्पष्ट कर दिया कि वह रमेश टिलाला के लिए भी प्रचार नहीं करेंगे। आगामी दिनों में खोडलधाम से इस्तीफा देने का रमेश टिलाला कह चुके हैं। फिलहाल चुनाव प्रचार की व्यस्तता के कारण रमेश टिलाला ने खोडलधाम ट्रस्ट से इस्तीफा नहीं दिया है। नरेश पटेल ने बताया कि ट्रस्ट के नियमों के मुताबिक अगर कोई चुनाव लड़ता है तो उसे ट्रस्टी पद से इस्तीफा देना अनिवार्य है। दक्षिण विधानसभा सीट से आप प्रत्याशी शिवलाल बारसिया पहले खोडलधाम के ट्रस्टी पद से अपना इस्तीफा दे चुके हैं। बता दें कि रमेश टिलाला भाजपा के उम्मीदवार हैं। भाजपा ने रमेश टिलाला को राजकोट दक्षिण सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

सूरत बना कार कस्टमाइजेशन का हब - फिल्म शोपी कार फेसलिफ्ट स्टूडियो वेसु में खुला

कार के मूल भागों को नुकसान पहुँचाए बिना उपलब्ध कार कस्टमाइजेशन का एक अनोखा कांसेप्ट उपलब्ध

FILMSHOPPEE
CAR FACELIFT STUDIO
LLumar

सूरत।

व्यक्ति किसी भी कंपनी की कार खरीदने के बाद अपनी पसंद के हिसाब से कार में बदलाव करना चाहता है। इसके लिए एक स्पेशलिस्ट कंपनी फिल्मशोपी अब वेसु वीआईपी रोड पर शुरू हो गई है। फिल्म शॉपी के कार फेसलिफ्ट स्टूडियो में कार के मूल हिस्सों को नुकसान पहुंचाए बिना कार को फेसलिफ्ट करने की तकनीक है।

इस बारे में कंपनी के फाउंडर रवि शाह ने कहा

सन कंट्रोल फिल्म बेचकर अपनी यात्रा शुरू की, लेकिन इसके प्रतिबंधित होने के बाद, आफ्टरमार्केट ऑटोमोबाइल उद्योग में कई सेवाओं को जोड़ने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़े, जिनमें से कार फेसलिफ्ट स्टूडियो एक है। हमें खुशी है कि अब फिल्मशोपी का स्टूडियो वीआईपी रोड वेसु में भी ग्राहकों की सेवा के लिए उपलब्ध है। जहां आपकी कार को संशोधित करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्यों कि कार के अनुकूलन की एक अनूठी तकनीक का उपयोग यहां मूल भागों को नुकसान पहुंचाए बिना किया जाता है। हम आज की कारों की नवीनतम विशेषताओं के साथ कारों को अंदर और बाहर से नया रूप देते हैं। भारत में पहली बार हमने कंपनी के मूल पेंट को स्थायी रूप से सुरक्षित रखने के लिए कम्प्यूटराइज कटिंग पैटर्न के साथ टीपीयू लेमिनेशन तकनीक के साथ पूरी तरह से धूल मुक्त स्टूडियो पेश किया है।

रवि शाह ने आगे कहा कि

हम अपने मॉडलों को आकर्षक मुनाफे के साथ फ्रेंचाइज़ करने और कार प्रेमियों, फ्रैंचाइज़ी भागीदारों को सर्वोत्तम परिणाम देने में विश्वास करते हैं।

कार फेसलिफ्ट फिल्म शोपी कंपनी की शाखा अब वेसु क्षेत्र में

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)